

भोपाल। पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक जून से 5 जून तक स्वच्छ गांव, जून श्रेष्ठ जलवायु अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने बताया कि अभियान के रहत सोमवार को दोपहर 3.30 बजे एक दिवसीय प्रशिक्षण के लिए कायालय जिला पंचायत भोपाल के सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया है। जिसमें पांच दिव के अभियान को लेकर कार्यक्रम तय किए जायेंगे।

गायत्री परिवार ने नशा मुक्ति एवं तंबाकू मुक्त समाज सप्ताह मनाया

समाज में व्याप्त नशे के खिलाफ अलख जगाने निकाली भव्य रैली



गायत्री परिवार ने निकाली रैली



गायत्री परिवार ने नशे के खिलाफ अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में पूरे देश में चल रही व्यसन मुक्ति अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश एवं अन्य राज्यों में व्यसन मुक्ति एवं तंबाकू मुक्त समाज स्थापना मनाया गया। पूरे सप्ताह भर विभिन्न कार्यक्रमों के अंत में 31 मई को एमपी नगर शक्तिपीठ, कोलार रोड/चेना केंद्र, बरखंडा प्रज्ञा केंद्र एवं अन्य केंद्रों के कार्यक्रमों द्वारा एक विशाल तंबाकू मुक्ति रैली का आयोजन किया गया। कोलार रोड से चला रही इस रैली में बड़ी संख्या में गायत्री परिवारजनों ने भाग लिया। पूरे सप्ताह के कार्यक्रमों में परिरज भाई बहनों एवं समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों ने मुख्य चलचक्र नारे लगाते हुए भाग लिया। इस कार्यक्रम में परिरज अतिथि के रूप में क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा एवं पापनंद ठी पदेयिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस रैली का समापन बीमा कुंज कॉलोनी के पार्क में एक सभा के रूप में हुआ जिसमें गायत्री परिवार के प्रांतीय समन्वयक राजेश शर्मा एवं अन्य सदस्यक आर पी हजारी, शक्तिपीठ प्रभारी परिरज गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ परिरज उपस्थित रहे। सभा के अंत में परिरजों को मशाल हाथ में देकर व्यसन से दूर होने एवं दूसरों को इस हेतु प्रेरित करने का संकल्प करवाया। सभा में विशेष रूप से महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर से पधारित व्यसन मुक्ति अभियान के समर्पित कार्यकर्ता संतोष तोतला भी उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत
की रंगोली
बनाकर जलाए
151 दीप

नशा मुक्त युवा, सशक्त भारत
का भविष्य: बीके डॉ. रीना दीदी



ब्रह्माकुमारीज ब्लेसिंग हाउस द्वारा नशामुक्त जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर
हल्हामुक्तमारीज लैसिंग हाउस द्वारा
रिचरिवार को नशामुक्त जागरूकता
कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम
का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं समाज के
सभी वर्गों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों
के प्रति जागरूक कर तथा नशामुक्त
जीवन के लिए प्रेरित किया गया।
नरनंदप्रदम रोड स्थित आश्रम नाल के
समने वर्ल्ड नो टैबैको डे पर नशा मुक्त
समार की गेलीली नकारक एवं 151 दीप

जलाकर नशामुक्त भारत, नशामुक्त मध्यप्रदेश, नशा मुक्त समाज बनाने के शुरु संकल्प से सभी ने मिलकर राजयोग मिडिटेशन किया एवं शुभ संकल्पों के प्रकल्प सारा दिशाओं में फैला। विश्व तबाहू निषेध दिवस के अवसर पर तबाहूगुमारी ब्लैसिंग हाउस सेवाकेंद्र के द्वारा आशिमा मॉल नर्मदा पुरम रोड से दानिश नगर बस स्टॉप, रजत विहार कॉलोनी तक नशामुक्त होज रेली निकाली गई।



एम्स के चिकित्सकों
ने हार्डवे ड्राइवरों के
लिए चलाया
तंबाकू-नियंत्रण
जागरुकता अभियान



तंबाकू छोड़ो, स्वस्थ जिंदगी के सफर से नाता जोड़ो

भोपाल। विध्व तंबाकू निषेध दिवस पर देवास-भोपाल कोटडोरा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा हाईवे ड्राइवरोड और परिवहन कर्मियों के बीच स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। स्वस्थ जिंदगी के सफर से जुड़ने की शुरुआत को मंजूर। इस अभियान के अंतर्गत स्वस्थ भोपाल के एक विकिरण विशेषज्ञ द्वारा एक हाईवे दाबे पर विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिससे तंबाकू की लत और स्वास्थ्य से जुड़ी खुरी चर्चा के लिए एक परिचित और सहज वातावरण तैयार हो सका।

खाटू श्याम का चार घंटे तक बड़े तालाब में हुआ नौका बिहार
400 किलो फूलों के साथ खाटू श्याम और लड्डू
गोपाल के लिए सजाया सफेद फूलों का बंगला



शीतलदास की बगिया में खाटू श्याम को कराया नौका विहार

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

राजधानी में रविवार को एक बार फिर शक्ति की गुंज से सराबोर हुआ। श्री श्याम ताली संकीर्तन परिवार गोपाल द्वारा श्री श्याम अंबेबेली नौका विहार महोत्सव का शाम 7 बजे से शीतल दास की बगिया, कमला पार्क में आयोजन किया गया। इस दौरान खादू श्याम महाराज की शोभायात्रा निकालते हुए उन्हें शीतलदास की बगिया (बड़े तालाब) में नौका विहार कराया गया। मथुरा से आए कलाकारों ने 400 किलो फूलों से खादू श्याम महाराज और लड्डू गोपाल के लिए सफेद फूलों का बंगला तैयार किया। नौका विहार का आयोजन ब्रज में यमुना विहार की तर्ज पर किया गया। खादू श्याम के साथ लड्डू गोपाल की भी 4 घंटे तक नौका विहार कराया गया।

प्रसादी वितरण हुआ

भगवान को भोग लगाकर प्रसादी वितरण हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खादू श्याम प्रेमियों ने नौका विहार और मजनों को आवांन लिया। नौका विहार का प्रमुख आकर्षण नौका महारान लीला हुई। जिसमें झील के बीच नौका पर श्री श्याम और राधारानी की रासलीला का जीवंत मंचन किया गया। बाबा श्याम का इस अवसर पर फूलों से शृंगार किया और छप्पन भोग अर्पित कर पूजन किया गया।



नौकाविहार देखने पहुंचे श्रद्धालु।

राधावल्लभ मंदिर में मनाया गया शरद उत्सव, रसिकों
ने गाया श्याम संग राधिका रास मंडल बनी

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

इतवारा रोड स्थित श्री राधावल्लभ मंदिर में रविवार को प्रेम रस से ओतप्रोत शरद उत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर प्रांगण को सफेद रंग की छटा से सजाया गया था। ठाकुर जी का विशेष श्रृंगार एवं पोशाक वृंदावन से मंगवाई गई थी। सेवर्ती, रजनीगंधा एवं अन्य श्र्वेत पुष्पों से ठाकुर जी के सिंहासन और मंदिर प्रांगण को सजाया

गया। उत्सव की शुरुआत धूप आरती से हुई, जिसके पश्चात संध्या आरती संपन्न हुई। आरती के बाद रसिकजन ठाकुर जी की रस लीला में मग्न हो उठे और भक्ति भाव से पद गाया- श्याम संग राधिका रास मंडल बनी। शरद पूर्णिमा के इस अवसर पर ठाकुर जी को विशेष रूप से खीर, चंद्रकला और औंटा का भोग अर्पित किया गया। भक्ति और सौंदर्य के संगम से सजा यह उत्सव भक्तों के लिए एक दिव्य अनुभव बना।



CareerNext

CAREER DISCOVERY INDUSTRY BOOT CAMP

ADMISSION IN DIPLOMA, UG & PG PROGRAMS


30 & 31 MAY, 2026


9:00 AM ONWARDS


**Marriott Hotel,
Near DB Mall, Bhopal**

Presented by







GET ADMISSION GUIDANCE DIRECTLY FROM INDUSTRY EXPERTS

At CareerNext, renowned industry experts will guide students on career opportunities in emerging sectors and assist them with admissions to relevant Diploma, UG, and PG programs.

MEET EXPERTS FROM THESE INDUSTRIES

AI | Tech | Management | Animation | Hospitality | Fashion
Interior Design | Pharmacy | Medical & More...

INDUSTRY MENTOR WORKSHOP

TOPIC : DREAM CAREER TO DREAM LIFE

Dr. Ujjwal Patni

India's #1 Motivational Speaker, Bestselling Author, Business Coach.

Session Date & Time

-  31st May 2026
-  4:00 PM to 5:00 PM
-  Lotus Hall, Marriott Hotel



ATTEND BOOT CAMP SESSIONS BY FOLLOWING INDUSTRY EXPERTS

 Nitin Jain Area Manager, (L&T)	 Alap Goshier CEO, TM Ventures	 Vikram Choudhary Co-Founder, Taxi Design Studio	 Sunny Pathak Co-Founder, Samatrixio	 Sandeep Shetty Business Head, Reliance Animation Academy	 Dr. Vinay Kumar Grant Thornton
 Hemant Gupta Director, Living Lab Institute	 Vishnu Salunke Pre-Production Supervisor, Reliance Animation Studio	 Yashwanth Padakanti VP, NxtWave Technologies	 Sanjay Khanduja Professor, CII	 Mr. Tusharendra Barpanda Head Professional Development Centre, East Zone, IIBF	

OUR INDUSTRY ACADEMIA PARTNERS


























REGISTER NOW

FREE ENTRY

ADMISSION OPEN IN FOLLOWING STREAMS 2026- 27

Computer Engineering | Mechanical Engineering | Management | Hospitality & Tourism |
Future Skills & IT | Animation, Gaming and VFX | Modern Science | Agriculture |
Banking, Finance & Commerce | Electrical Electronics & Communication Engineering |
Pharmaceutical Sciences | Humanities | Languages | Fine & Performing Arts |
Design | Media & Journalism | Education

+91 7880103207 | +91 9109310455

Scan To Register & Get Session Details



RNTU

A part of **airect**india

RECOGNIZED BY: UGC | ACCREDITED BY: AICTE | NCTE | ICAR | PCI | BCI | MP PARAMEDICAL COUNCIL | MP NURSING COUNCIL | MEMBER OF AIU

**Rabindranath
TAGORE
UNIVERSITY™**
Bhopal, Madhya Pradesh

www.rntu.ac.in

Not Just Degrees

Multi-disciplinary Learning

With Industry Linked, AI Embedded Programmes

PLACEMENT

7000+

STARTUPS

140+

SPORTS MEDALS

400+

PATENTS

95+

MULTI DISCIPLINARY UNIVERSITY OF MADHYA PRADESH

18

HIGHEST LPA PACKAGE

12+

SPORTS ACADEMIES IN RNTU

11

AI BASED COURSES

21

CENTRES FOR EXCELLENCE

INDUSTRY EMBEDDED PROGRAMS

 B.Tech B.Sc.	 B.Tech BCA B.Com	 B.Tech BBA	 B.Sc.	 BBA (Hospital Management)	 Diploma (EE, ME)
---------------------------	---------------------------------	-------------------------	------------------	--------------------------------------	-----------------------------

ADMISSIONS OPEN 2026-27

Engineering & Technology | Commerce | Management | Education | Science | Allied & Health Sciences | Agriculture | Humanities & Liberal Arts | Pharmacy | Law | B.Voc. | M.Voc. | Ph.D in selected subjects through separate entrance tests

AWARDS & RECOGNITION

1st

Rank Best Multidisciplinary Private University in Bhopal

CAREERS 360

1st

Rank Best Multidisciplinary Private University in MP

THE WEEK

AAAA

Rating Among Private University in MP

CAREERS 360

7th BW Education Award

University of The Year India Education Awards (Financial Express.)

CSR Excellence in Education Award

PLACEMENT PARTNERS

Apply Now

RNTU - COMMON ENTRANCE TEST (CET) 2026-27

Scan for more details

☎ 0755-2700413, 9319866685, 9753012107, 7489358878, 8770179841

📍 RNTU Campus: BHOPAL - Chiklod Road, Near Bangrasia Chouraha, Bhopal, Ph.: +91-7552700401, 2700447

📍 City Office : 3rd Floor, Sarnath Complex, Opposite to Board Office, Shivaji Nagar, Bhopal M. : +91-8109347769

AISECT INDIA REGIONAL OFFICE

SEHORE - Near Crescent Water Park, Near Bhopal Indore Bypass Road, Ichhawar Road, Sehore Mobile - 9111999435, 9565308060, 8819959931

ASHOKNAGAR - Opposite Abhey Sons Petrol Pump Near Ahinsa Palace Guna By Pass Tiraha Ashoknagar Mobile 7869707145 860268758, 8817150533 8819959931

खबर संक्षेप

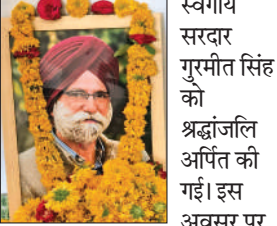


किसानों ने सुना मन की बात कार्यक्रम

औबेदुल्लागंज। ग्राम गोकलाकुंडी में जय प्रकाश शर्मा मित्र मंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का सामूहिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान कृषक एवं ग्रामवासियों का गमछा पहनाकर सम्मान किया गया। लोगों ने पीएम के प्रेरणादायक विचारों को सुना तथा राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सरोकारों, पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी पर चर्चा की।

स्व. सरदार गुरुमीत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित

औबेदुल्लागंज। मप्र शतरंज संघ के अध्यक्ष एवं जनभागीदारी समिति के सदस्य एवं गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के पूर्व अध्यक्ष



स्वर्गीय सरदार गुरुमीत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पूर्व शिक्षा मंत्री राजकुमार पटेल, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र बबलू अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, सुरजीत सिंह गिल, ढाबा संघ अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राजू, जयप्रकाश शर्मा, रमेश गौर, पत्रकार ऋषभ जैन, पंकज कोठारी व्यापार संघ के जगदीश चन्दानी, कैलाश डब्बू नागर, रमेश वासवानी, पवन खालसा, हरजीत सिंह मंगू, मनजीत सरदार लखविंदर सिंह लकी, अनिल अरोरा, नीरज चावला, रतन मेघानी मनोज मेघानी, एमबीएम कॉलेज के कई साथियों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि स्वर्गीय सरदार गुरुमीत सिंह का सरल एवं सेवाभावी व्यक्तित्व स्मरणीय रहेगा। समाज के प्रति उनके योगदान और मानवीय मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

देशवासियों को प्रेरित करता है पीएम मोदी का मन की बात कार्यक्रम



मन की बात कार्यक्रम सुनते डॉ. नागर व कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

भाजपा मंडल औबेदुल्लागंज के मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र नागर ने कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों के साथ बृथ क्रमक 200 (सिंगलदीप) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का श्रवाण किया। डॉ. नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कार्यक्रम में राष्ट्रनिर्माण, सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, गर्मी के मौसम में देसी पेय पदार्थों एवं जल संरक्षण के महत्व तथा भारतीय खिलाड़ियों द्वारा एथलेटिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित किए जा रहे नए कीर्तिमानों जैसे विषयों पर प्रेरणादायी विचार

अवैध कनेक्शन काटने पहुंची टीम से युवक ने कहा, कनेक्शन काटा तो हाथ काट दूंगा

◀ आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्र्य में बाधा पहुंचाने का दर्ज किया प्रकरण

◀ हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित 12 नंबर मल्टी का मामला

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित 12 नंबर मल्टी में बिजली चोरी की जांच करने पहुंची टीम को बदमाश ने चाकू दिखाकर हाथ काटने की धमकी दे दी। उसने कहा कि यदि कनेक्शन काटा तो हाथ काट दूंगा। हाथ में चाकू और आरोपी के डर से टीम को वापस लौटना पड़ा। टीम थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने एमपीईवी जोन- ई-4 के लाइन हेल्पर की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।



फाइल फोटो

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम रतुआ की घटना

मोबाइल चलाने से मना किया तो 12वीं की छात्रा ने जहर खाकर की आत्महत्या

तबीयत बिगड़ने पर परिजन को जहर खाने की बात बताई

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम रतुआ में शनिवार शाम मोबाइल चलाने को लेकर मां ने 17 साल की बेटी को फटकार लगा दी। फटकार से दुखी बेटी ने बाथरूम में जाकर सल्फास की गोली खा ली। उल्टियां करने और तबीयत बिगड़ने पर उसने परिजन को जहर खाने की बात बताई थी। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। वहां इलाज के दौरान देर रात छात्रा की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि छात्रा के मृत्यु से पहले बयान नहीं हो सके हैं। मर्ग कायम कर तपतीश शुरू कर दी गई है। रिविचार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस के अनुसार ग्राम रतुआ थाना गुनगा निवासी जगदीश कुशवाहा खेती-किसानी करते हैं। परिवार में पत्नी और तीन बच्चे थे। बड़ी बेटी खुशी कुशवाहा (17) ने इसी साल 12 वीं



कक्षा की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी। खुशी निजी कॉलेज में प्रवेश की तैयारी कर रही थी। बताया जा रहा है कि शनिवार

शाम करीब साढ़े सात बजे खुशी मोबाइल चला रही थी। मां ने उसे अधिक समय तक मोबाइल चलाने की बात को लेकर फटकार लगा दी। यह बात खुशी को नागवार गुजरी और वह

कुछ देर बाद बाथरूम चली गई। बाथरूम से बाहर आते ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। पृछने पर उसने परिजनों को घर में रखी सल्फास की गोली खाने की बात बताई।

बाथरूम में जाकर खाली सल्फास की गोली

देशवासियों को प्रेरित करता है पीएम मोदी का मन की बात कार्यक्रम



मन की बात कार्यक्रम सुनते डॉ. नागर व कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

भाजपा मंडल औबेदुल्लागंज के मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र नागर ने कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों के साथ बृथ क्रमक 200 (सिंगलदीप) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का श्रवाण किया। डॉ. नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कार्यक्रम में राष्ट्रनिर्माण, सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, गर्मी के मौसम में देसी पेय पदार्थों एवं जल संरक्षण के महत्व तथा भारतीय खिलाड़ियों द्वारा एथलेटिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित किए जा रहे नए कीर्तिमानों जैसे विषयों पर प्रेरणादायी विचार

विकास कार्यों के निर्माण पर उठ रहे सवाल, नागरिकों में बढ़ रही नाराजगी

औबेदुल्लागंज में कई महीनों से पानी की टंकी, दुकानों का निर्माण अधूरा

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

नगर परिषद औबेदुल्लागंज के विकास कार्यों की धीमी गति और अधूरे निर्माण कार्यों को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है। मुक्तिधाम के पास पानी की टंकी का निर्माण कई महीनों से अधूरा है। भीषण गर्मी का मौसम निकल जाने के बावजूद टंकी का निर्माण पूरा नहीं हो सका, जिससे नागरिकों में नाराजगी है। स्थानीय पार्षदों का आरोप है कि निर्माण कार्यों में कमीशनखोरी और प्रशासनिक उदासीनता के कारण परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं हो पा रही हैं। यदि पानी की टंकी समय पर बनकर तैयार हो जाती तो क्षेत्र के नागरिकों को पेयजल व्यवस्था में बेहतर सुविधा मिल सकती थी।

पार्षदों का आरोप: कमीशनखोरी व प्रशासनिक उदासीनता बने कारण



टंकी का निर्माण अधूरा पड़ा है।

नगर परिषद की कार्यप्रणाली कठपुतली में

नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर इसलिख भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि कई विकास कार्य लंबे समय से अधूरे हैं। इनमें नगर परिषद कार्यालय के सामने बन रहा ऑडिटोरियम, एसडीओपी कार्यालय के समीप निर्माणाधीन दुकानें तथा अर्जुन नगर स्थित संजीवनी अस्पताल के मुख्य मार्ग पर खुदी हुई सड़क प्रमुख हैं। इन परियोजनाओं का काम लंबे समय से रुका हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों का कहना है कि लगभग चार वर्ष पहले नगर के विकास को लेकर कई बड़े वादे और योजनाएं सामने रखी गई थीं, लेकिन आज भी अनेक परियोजनाएं अधूरी हैं। ऐसे में लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर औबेदुल्लागंज का विकास क्यों रुक गया है।

नागरिकों ने की निर्माण कार्यों में हो रही देरी की जांच कराने की मांग

नगर में यह चर्चा है कि विकास कार्यों की निगरानी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने में नगर परिषद सफल नहीं हो पा रही है। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने जल्द कार्यों को जल्द पूरा कराने तथा निर्माण कार्यों में हो रही देरी की जांच कराने की मांग की है। अब देखा होगा कि नप और संबलित विभाग इन अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाते हैं और नागरिकों को लंबे समय से प्रतीक्षित सुविधाएं कब तक मिल पाती हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों को दरकिनार कर कनिष्ठ कर्मचारियों को सौंपी कृषि मंडी की जिम्मेदारी

औबेदुल्लागंज कृषि उपज मंडी में नियम विरुद्ध वसूली के आरोप



फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

औबेदुल्लागंज कृषि उपज मंडी में प्रशासनिक कार्यप्रणाली और नियम विरुद्ध वसूली को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि मंडी में वरिष्ठ अधिकारियों को दरकिनार कर कनिष्ठ कर्मचारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं, जिसके चलते अव्यवस्था और नियमों के विपरीत वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं। मंडी से जुड़े व्यापारियों और किसानों का आरोप है कि खरीदी, तौल, परिवहन

तथा अन्य प्रक्रियाओं के दौरान निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त राशि वसूली जा रही है। कई व्यापारियों का कहना है कि बिना स्पष्ट रसीद और नियमों के विरुद्ध रकम मांगे जाने से आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। शिकायतों के अनुसार, मंडी में जिम्मेदारी का वितरण नियमों के अनुरूप नहीं किया गया है और कनिष्ठ कर्मचारियों को प्रमुख कार्यों का प्रभार सौंपे जाने से निगरानी व्यवस्था कमजोर हुई है। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि इसी अव्यवस्था का फायदा उठाकर कुछ



लंबे समय से दुकानों का निर्माण भी नहीं हुआ है।

जनप्रतिनिधियों ने यह कहा

नपा उपाध्यक्ष नगीता अग्रवाल ने फोन पर बताया कि हमें भी बड़ी चिंता हो रही है। आखिर नगर में काम क्यों रुके हुए हैं। पाण्डे हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष राजेश खटीक ने इन सब मामलों की जांच लोकयुक्त आर्थिक अपराध शाखा किसी वरिष्ठ अधिकारी से जांच की मांग की है। पार्षद दीपू परमार ने फोन पर बताया कि मैं भी परेशान हूँ। कई नागरिक मुखसे भी सवाल पूछते हैं। सीएमओ किरण रहडवाल ने फोन पर बताया कि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने की प्रक्रिया चल रही है।

अमले से की गालीगलौज

पुलिस के अनुसार जगदीश प्रसाद राठौर (56) ए-11, गौल्डन सिटी नॉलबड, रातीबद में रहते हैं और एमपीईवी जोन ई- 4 अरेरा कॉलोनी में लाइन हेल्पर हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे वह अपने साथी लाइन हेल्पर देवेन्द्र सिंह और आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ 12 नंबर बीडीए मल्टी में मेटिंग्स और अवैध बिजली कनेक्शन चेक

करने गए थे। इस दौरान बीडीए मल्टी क्रमांक बी-7, मंदिर के पास मल्टी में अवैध विद्युत कनेक्शन चेक करते समय चांद कौशर नामक युवक उनके पास पहुंचा। वह हाथ में चाकू लिए हुए थे। वह विल्लावोट करने लगा और कहा कि यदि मेरा अवैध कनेक्शन काटा और अगर मल्टी के किसी कनेक्शन को हाथ लगाया तो हाथ काट दूंगा। इस दौरान उसके गालीगलौज भी की थी।

ग्रीष्मकालीन अभिव्यक्ति शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में ग्रीष्मकालीन अभिव्यक्ति शिविर (समर कैंप) का समापन किया गया। जिससे विद्यालयों के लगभग 350 विद्यार्थी लाभान्वित हैं। प्रातः 6 बजे से 11 बजे तक शिविर का संचालन किया जाता रहा। इस शिविर में खेलकूद, मार्शल आर्ट, योगा, चित्रकला, कम्प्यूटर, मेंहदी, स्कैचिंग, संगीत, हिन्दी अंग्रेजी हस्तलेखन, नृत्यकला, कुकिंग, अंग्रेजी स्पोकन, सैल्फ ब्यूटीशियन कोर्स, नैलआर्ट कैलीग्राफी आदि का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिया गया। ग्रीष्मकालीन अभिव्यक्ति शिविर समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिद्ध भाऊ, कर्नल नारायण पारवानी एवं अन्य अतिथि हीरो भाऊ, महेश दयारामानी, कन्हैयालाल मोहवानी, आईलदास साधवानी उपस्थित हुए।

जिला प्रशासन ने लिस्ट पुलिस को सौंपी

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

जिले में 111 से अधिक अवैध कॉलोनिनों को चिह्नित किया गया है, जिनकी लिस्ट बनकर तैयार कर ली गई है। जिला प्रशासन ने यह लिस्ट पुलिस को सौंप दी है। जिससे अब थाना पुलिस इन अवैध कॉलोनिनों को विकसित करने वाले भूमाफिया और जमीन मालिकों के खिलाफ एफआइआर

बच्चों ने सीखी योग, चित्रकला संगीत, नृत्य कला और कुकिंग



बच्चों के साथ सिद्ध भाऊ और अतिथि।

सीखी हुई कला जीवन को रंग देती है: सिद्ध भाऊ

सिद्धभाऊ ने कहा कि इस विद्यालय का समर कैंप में प्रतिवर्ष नयापन झलकता है। हर कला को सिखाने के पीछे शिक्षक की जो मेहनत थी, वो कबिले तारीफ है। लड़कों ने कुकिंग सीखकर यह साबित किया है कि कोई भी कार्य मुश्किल नहीं होता। महेश दयारामानी ने हुए कहा कि आज का समय सीखने एवं आगे बढ़ने का है। पढ़ाई के साथ-साथ दूसरी कलाओं में भी पारंगत होना अत्यंत आवश्यक है, इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। कन्हैयालाल रामनानी ने अतिथियों का स्वागत किया। शिविर में विद्यार्थियों ने हनुरु का प्रदर्शन मंच पर किया। इस अवसर पर प्राचार्या सुतापा जयसवाल, दीपा आहूजा केएस मूर्ति, रूपाली मेशराम आदि स्टाफ समर कैंप समापन कार्यक्रम में उपस्थित थे। मंच संचालन ममता जिनयानी ने किया गया।

111 अवैध कॉलोनिनों पर होगी एफआईआर, एसडीएम की तैयारी

दर्ज करेगी। अब तक परवलिया सड़क, सूखी सेवनिया सहित अन्य थाना क्षेत्र में प्रकरण दर्ज किए गए हैं। शहर के हुजूर, कोलार, बैरसिया और गोविंदपुरा तहसील में भूमाफिया ने पिछले एक साल में 111 से अधिक अवैध कॉलोनिनों विकसित की हैं। यहां 90 प्रतिशत से अधिक कृषि भूमि पर यह कॉलोनियां बनी हैं, जिनके बाद किसी तरह की कोई

अनुमति नहीं है। इसके बाद भी जमीन मालिक और भूमाफिया ने मिलकर लोगों को बिजली, पानी, सड़क, सीवेज, खेल मैदान, मंदिर सुविधाओं का दावा कर प्लॉट बेचे हैं।

शिकायतों के बाद कलेक्टर ने सभी एसडीएम को अवैध कॉलोनिनों को चिह्नित कर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए थे। अब एफआईआर की जा रही है।

पटवा ने की केंद्रीय मंत्री सिंह से भेंट भोजपुर के विकास एवं युवाओं के उज्ज्वल भविष्य पर चर्चा



केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के साथ विधायक पटवा।

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री सुरेन्द्र सुन्दरलाल पटवा ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान देश के रक्षामंत्री एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह से सौजन्य भेंट की। भेंट के दौरान पटवा ने भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास, औद्योगिक विस्तार एवं युवाओं के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

उन्होंने ग्राम उमरिया में 60 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर लगभग 1800 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित हो रही ब्रह्मा परियोजना यूनिट के लिए रक्षामंत्री का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन एवं आर्थिक प्रगति में मील का पत्थर सिद्ध होगी। पटवा ने रक्षामंत्री से भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्मविभूषण स्वर्गीय सुन्दरलाल पटवा के नाम पर एक सैनिक (आर्मी) स्कूल की स्थापना का अनुरोध भी किया। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय की स्थापना से क्षेत्र के युवाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रसेवा एवं सैन्य क्षेत्र में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्मविभूषण स्वर्गीय सुन्दरलाल पटवा से सकारात्मक परीक्षण कर यथासंभव आवश्यक कार्रवाई किए जाने का आश्वासन प्रदान किया। भेंट उपरान्त सुरेन्द्र पटवा ने रक्षामंत्री के स्नेह, आत्मीयता एवं मार्गदर्शन के लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सहायक संजय मीणा साथ रहे।

दिल्ली प्रवास के दौरान विधायक पटवा ने सुना प्रधानमंत्री मोदी का मन की बात कार्यक्रम

विधायक सुरेंद्र पटवा ने दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें संस्करण को सुना। पटवा ने कहा कि यह कार्यक्रम जनमानसों की, प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुशक्त करने वाला है। पीएम मोदी के विचार हमेशा पर्येक भारतीय को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और देश सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। मन की बात का यह संवाद वास्तव में जन-जन की एक सूत्र में पिंपने और विकसित व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की



दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करने वाला है। मैं इस प्रेरणादायी और जागृकता से परिपूर्ण संवाद के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति हृदय से कृतज्ञता एवं आभार प्रकट करता हूँ।

संयुक्त नाम से पट्टा देने पर जोर
जमीनी स्तर पर अब भी संघर्ष जारी

रूबी सरकार ►►गोपाल

वन अधिकार कानून लागू हुए करीब 20 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज भी हजारों आदिवासी और परंपरागत वनवासी परिवार अपनी भूमि अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसी बीच केंद्र सरकार ने वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अहम निर्देश जारी किए हैं।

जनजातीय मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि वन अधिकार प्रक्रिया के हर स्तर पर महिलाओं की सक्रिय और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। मंत्रालय की सचिव रंजना चोपड़ा द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि अनुसूचित जनजातियों और अन्य परंपरागत वन निवासियों के अधिकारों

►► **केंद्र सरकार ने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए जारी किए अहम निर्देश**

►► **वन अधिकार प्रक्रिया के हर स्तर पर महिलाओं की सक्रिय, प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित हो**

की मान्यता के दौरान महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में बराबरी का अवसर मिलना चाहिए। पत्र में ग्राम सभा, वन अधिकार समितियों, उप-विभागीय स्तरीय समिति, जिला स्तरीय समिति और राज्य स्तरीय निगरानी समितियों में महिलाओं की प्रभावी भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही वन अधिकार अधिनियम की धारा 4(4) के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार (आईएफआर)



फाइनल फोटो।

के पट्टों में पति-पत्नी दोनों के नाम दर्ज किए जाने के प्रावधान का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्रालय ने राज्यों से यह भी कहा है कि सभी जिलों में आईएफआर दावों का लैंगिक आधार पर अलग-अलग डेटा तैयार किया जाए। इसके अलावा वन अधिकार नियम 2012 के तहत ग्राम सभा में कम-से-कम एक-तिहाई महिलाओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दोहराए गए।

अधिक सशक्त होंगी

मंत्रालय ने राज्य सरकारों से अपेक्षा की है कि जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, जिससे महिलाओं की भागीदारी केवल औपचारिक न रहकर वास्तविक और प्रभावी बन सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन निर्देशों का गंभीरता से पालन किया गया तो वन क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं की भूमि अधिकार, आजीविका और निर्णय प्रक्रिया में अधिक सशक्त भूमिका मिल सकेगी।

जमीनी हकीकत अब भी चुनौतीपूर्ण

सरकारी निर्देशों के बावजूद वन भूमि के पट्टों को लेकर जमीनी स्तर पर समस्याएं बनी हुई हैं। बैगा जनजाति की लवलीन बाई इसका एक उदाहरण हैं। उनके तीन बेटे और दो बेटियां हैं। वे कई पीढ़ियों से लगभग दो एकड़ वनभूमि पर खेती कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। उनके पति का निधन वर्ष 2005 से पहले हो गया था और उन्होंने जीवित रहते पट्टे के लिए आवेदन नहीं किया था। यही वजह है कि लवलीन बाई आज भी वन भूमि के अधिकार से वंचित हैं। उनकी दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि बेटे वनभूमि पर खेती करने के कारण कई बार जेल तक जा चुके हैं। इसके बावजूद परिवार को अब तक भूमि का अधिकार नहीं मिल सका है। इसी तरह संतोषी बाई भी वर्षों से वन भूमि के पट्टे के लिए संघर्ष कर रही हैं। कई बार आवेदन देने के बावजूद उनका दावा मंजूर नहीं हुआ। उनका एक बेटा है और वह चाहती है कि उनके जीवनकाल में ही उस जमीन का

पट्टा उनके बेटे के नाम हो जाए, जिस पर परिवार वर्षों से खेती करता आ रहा है। बैगा समुदाय की माता-पिता की इकलौती बेटी को अब तक इसलिए जमीन का पट्टा नहीं मिला, क्योंकि उसके पिता ने जीवित रहते आवेदन ही नहीं दिया था। उस वक़्त वह 14 साल की थी। अभी वह बालिग है और उसके पास आजीविका का एक मात्र साधन दो एकड़ वन भूमि है, जिसका पट्टा उसके पास नहीं है परंतु सालों से उस जमीन पर कब्जा है। वन भूमि के दावों में तकनीकी और दस्तावेजी समस्याएं भी बड़ी बाधा बनी हुई हैं। जीपीएस मैपिंग के दौरान कई बार फोटो स्पष्ट नहीं आते। इसके अलावा अधिकांश वन निवासी परिवारों के पास भूमि से जुड़े सरकारी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते। विशेष रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के वन वासियों को 75 वर्षों का रिकॉर्ड प्रस्तुत करना पड़ता है, जो अधिकांश मामलों में संभव नहीं हो पाता।

मुख्यमंत्री ने शाजापुर जिले को 388 करोड़ रुपए की लागत के 43 विकास कार्यों की दी सौगात

राज्य सरकार सुशासन के माध्यम से मध्य प्रदेश की प्रगति का मार्ग कर रही प्रशस्त

हरिभूमि न्यूज़ ►►गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र के गठन के बाद यहां सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन हमारी सरकार ने जनहित को सर्वोपरि रखा और पिछले दो साल में ही प्रदेश को 7 नए मेडिकल कॉलेजों की सौगात मिल चुकी है। मप्र में शाजापुर जिले की अपनी एक अलग पहचान रही है। शुजालपुर के सुंदरसी का संबंध पुराने समय में सम्राट विक्रमादित्य से जुड़ता है। शुजालपुर शालपुर जिले की सबसे सक्षम और संपन्न तहसील है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुजालपुर में आयोजित कॉलेज चलो अभियान और प्रदेश के महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया के शुभारंभ के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 388 करोड़ रुपए की लागत से 43 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसके साथ ही 70 करोड़ रुपए की लागत से आयुर्वेदिक महाविद्यालय, चिकित्सालय और 14 करोड़ 37 लाख की लागत से 50 बिस्तरिय आयुष चिकित्सालय का भूमि-पूजन किया।

मुख्यमंत्री ने शुजालपुर से किया कॉलेज चलो अभियान और महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ



सीएम ने शुजालपुर में विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने 4 सांदीपनि विद्यालयों का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 122 करोड़ रुपए की लागत से मां शारदा सांदीपनि विद्यालय, महाराणा प्रताप सांदीपनि विद्यालय, मिहिर भोज सांदीपनि विद्यालय और राजा भोज सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में 14 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत से 4 नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी वर्ष किसानों से 2625 रुपए प्रति किंवदल गेहूं खरीदा गया। प्रदेश में गेहूं खरीद का नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। हम किसान कल्याण वर्ष की घोषणाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

देश में 25 करोड़ से अधिक लोगों को निकाला जा चुका है गरीबी रेखा से बाहर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के माध्यम से प्रदेश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर रही है। राज्य के प्रत्येक गरीब, किसान, युवा और महिला सहित सभी वर्गों के जरूरतमंदों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। आज देशभर में 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। यह गर्व का विषय है। आज उज्जैन से लेकर अयोध्या और धार की भोजशाला तक जनकार्य गूंज रहे हैं। हमारी सरकार न्यायालय के निर्णय को लागू कराने की प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती है।

उज्जैन में आरंभ होगा शासकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय

मंत्री परमार ने कहा कि एक शासकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय उज्जैन में खोला जाएगा। नागरिकों के लिए बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य हमारी सरकार की प्राथमिकता है। मध्यप्रदेश नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का अग्रणी राज्य है। शुजालपुर में सड़कों के चौड़ीकरण की आवश्यकता बताई तथा अन्य स्थानीय अपेक्षाओं से डॉ. यादव को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने शुजालपुर में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय से निकलते हुए आम जनता से मिलने के लिए डेढ़ किमी लंबा रोड शो किया। इस अवसर पर अनेक सामाजिक संस्थाओं ने 50 से अधिक मंचों से मुख्यमंत्री का पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया।

‘इंदौर ट्रैफिक साथी’ मोबाइल एप का किया शुभारंभ

इंदौर शहर में खोले जाएंगे तीन नए थाने पुलिस बल की कमी भी की जाएगी दूर

सीएम ने ‘डिस्ट्रिक्ट ड्रोन यूनिट’ के तहत 18 हाईटेक ड्रोन किए लोकार्पित 10 पुलिस वाहनों को दिखाई हरी झंडी



हरिभूमि न्यूज़ ►►गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इंदौर में ‘डिस्ट्रिक्ट ड्रोन यूनिट’ का लोकार्पण तथा ‘इंदौर ट्रैफिक साथी’ मोबाइल एप का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 18 अत्याधुनिक हाईटेक ड्रोन का और 10 पुलिस वाहनों का लोकार्पण कर इन्हें इंदौर पुलिस के बेड़े में शामिल कराया। यह ड्रोन पुलिस की तीसरी आंख के रूप में हर वक्त कानून-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था को और भी अधिक प्रभावी बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर इंदौर शहर में तीन नए पुलिस थाने खोलने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि पुलिस बल की कमी की पूर्ति भी क्रमबद्ध रूप से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हर साल पुलिस विभाग के 22 हजार 500 पदों पर भर्ती कर रहे हैं। हम प्रदेश के हर जिले में पुलिस बैंड की स्थापना भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन पुलिस का कानसेप्ट इंदौर से ही आया है। अब यह एक मिसाल बनेगा। इस अवसर पर मंत्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व मंत्री एवं विधायक उषा ठाकुर, महेंद्र हार्दिया, विधायक रमेश मेंदोला, मालिनी गौड़, मधु वर्मा, मनोज पटेल, राकेश शुक्ला सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

तकनीक से लोगों की तकदीर बदलेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान वास्तव में सुशासन की दिशा में ‘लोक कल्याणकारी राज्य’ के लिए एक वरदान साबित हो रहा है। मध्यप्रदेश सरकार तकनीक से लोगों की तकदीर बदलने, उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और लोकसेवा का नया अध्याय लिखने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं डिस्ट्रिक्ट ड्रोन यूनिट’ और ‘इंदौर ट्रैफिक साथी’ जैसे नवाचार पुलिस और प्रशासन दोनों को नई ताकत प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लोकार्पित ड्रोनस कानून व्यवस्था की स्थापना में पुलिस के लिए सहायक होंगे, वहीं ट्रैफिक साथी ऐप वाहन चालकों के लिए बेहद कारगर साबित होगा। इस एप के जरिए वाहन चालक पार्किंग की बेहतर लोकेशन जान सकेंगे।



इस बड़ी गलती के लिए जवाबदार कौन?

खजुराहो से पन्ना के बीच नेशनल पार्क है। इससे लगा पन्ना जंगल भी। रेलवे ने 2021 में लाइन की डिजाइन फाइनल की। 315 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की गई और 2022-23 में जंगल में लगे 54,578 पेड़ 24 करोड़ रुपए खर्च कर काट डाले गए। अचानक रेलवे ने यह कह कर पुरानी डिजाइन बदल दी कि यह रूट खतरनाक था। अब 258 हेक्टेयर जंगल फिर अधिग्रहित किया जा रहा है। इस स्वर पर आने वाले 50 हजार पेड़ फिर काटे जाएंगे। इस पर भी 24-25 करोड़ की राशि खर्च होगी। बड़ा सवाल है कि इस बड़ी गलती के लिए जवाबदार कौन है?

फिर, बिना टीईटी शिक्षक क्यों बना दिया?

टीईटी सभी शिक्षकों के साथ उन्हें भी पास करना अनिवार्य है जो वर्ष 2009 से पहले भर्ती हुए हैं। यह टीक है कि सुप्रीम कोर्ट ने इसे परीक्षा पास करने के लिए और समय दिया है। पर बड़ा सवाल यह है कि इतनी सर्विस के बाद अब यह अनिवार्य क्यों? इनमें से जिन शिक्षकों ने टीईटी की परीक्षा पास कर ली, वे तो अपनी नौकरी बचा ले जाएंगे, लेकिन जो ऐसा नहीं कर सके, उनके घरों में चूल्हे जलने के लाले पड़ेंगे क्योंकि ये शिक्षक बच्चों को सालों पढ़ाने के बाद दूसरा काम करने लायक भी नहीं बचे। विडंबना यह है कि पहले इन्हें बिना टीईटी परीक्षा पास किए शिक्षक बना दिया गया। तब से ये लगातार स्कूलों में बच्चों को पढ़ा रहे हैं। इनके पढ़ाए बच्चे हर साल अगली कक्षाओं में जा रहे हैं।

भाजपा का संविधान या फिर सिफारिशें, क्या चलेगा?

सिफारिशों के कारण पहले निगम-मंडलों में नियुक्तियां अटक कीं, मंत्रिमंडल विस्तार नहीं

हो सका और अब प्रदेश कार्यसमिति अटकी पड़ी है। पहले यह अप्रैल में घोषित होना थी, इसके बाद मई में, लेकिन यह महीना भी खत्म हो गया। बताया जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया उन सभी नेताओं को एडजस्ट कराना चाहते हैं जो 2020 में उनके साथ कांग्रेस छोड़ कर आए थे। तब उनके सभी समर्थकों को कहीं न कहीं जगह दी गई थी। इसीलिए तब वोडी शर्मा को 403 लोगों की जबो कार्यसमिति बनाना पड़ी थी। लेकिन अब भाजपा अपने संविधान के अनुसार ही संस्था रखना चाहती है, इसीलिए पंच फंसा बताया जा रहा है।

एक ‘अनार’...और इतने ‘दावेदार’

भाजपा अब राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए उम्मीदवार नहीं उतारेगी। विधानसभा में सदस्य संख्या के अनुसार यह सीट कांग्रेस को जीतने देगी। कांग्रेस नेताओं ने चैन की सांस ली है। खासकर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने। ये दोनों ऑपरेशन लोटस को लेकर ज्यादा परेशान बताए जा रहे थे। बेचैनी खत्म होने के बाद अब कांग्रेस में प्रत्याशी चयन को लेकर सिर-फुटौवल है। दिग्विजय सिंह और जीतू पटवारी राज्यसभा के लिए दावेदारी से इंकार कर चुके हैं। फिर भी इनके लिए लॉबींग जारी है। अरण यादव, मौनक्षी नटराजन, कमलेश्वर पटेल, सज्जन सिंह वर्मा प्रमुख दावेदार हैं। कमलनाथ का नाम आगे आने से इनके दावे कमजोर पड़ने लगे हैं।

दिग्विजय हैं कि ‘मानते’ नहीं...

पिछले दिनों दिग्विजय सिंह ने भोजशाला पर हाईकोर्ट के निर्णय पर यह कह कर सवाल उठाया था कि एएसआई ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की थी उसमें भोजशाला में मंदिर होने के प्रमाण नहीं मिले थे। अब उन्होंने सांप्रदायिकता को लेकर बहुसंख्यक हिंदू समाज को ही कठघरे में खड़ा कर दिया। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश में अल्पसंख्यकों की तुलना में बहुसंख्यक सांप्रदायिकता ज्यादा खतरनाक है। ऐसा कह कर उन्होंने समूचे हिंदू समाज को सांप्रदायिक ठहरा दिया। दिग्विजय ने ऐसा पहली बार नहीं किया, अक्सर उनके बयान हिंदू समाज को टारगेट करते हुए होते हैं। राजनीति के मौजूदा दौर में इसका खामियाजा कांग्रेस के साथ खुद दिग्विजय को भी भुगतना पड़ता है।

–दिनेश निगम ‘त्यागी’

विधायक के साथ राज्य कर्मचारी संघ की बैठक विधायक सबनानी ने कहा: कर्मियों की जायज मांगों का अधिकारी जल्द करें निराकरण

हरिभूमि न्यूज़ ►►गोपाल

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश कार्यालय तुलसी नगर में संघ की जिला इकाई भोपाल के पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में विधायक भगवान दास सबनानी, संघ के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में कर्मचारियों की लंबित मांगों सहित समस्याओं पर चर्चा की गई।

बैठक में विधायक सबनानी ने आयुष विभाग के समयमान, लोक निर्माण विभाग के समयमान के लिए अधिकार्यों को निर्देश दिए। साथ ही शिक्षा विभाग के विकलांग भत्ता के लिए हेड चेंज करने, अर्जित अवकाश के एरियर आदि के निराकरण हेतु अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर शीघ्र निराकरण करने को कहा। बैठक में जिले की कार्यकारिणी द्वारा



कर्मचारियों से चर्चा करते विधायक सबनानी।

वर्तमान में टीईटी परीक्षा हेतु केंद्र कार्यकारिणी के माध्यम से केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से चर्चा हेतु समय लेकर निराकरण का प्रस्ताव दिया गया। जिला अध्यक्ष जितेंद्र शाक्य एवं जिला सचिव शिवेंद्र चौहान ने जिला संगठन में जिला उपाध्यक्ष के दायित्व के लिए राकेश धनगर शिक्षक कार्यालय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ईटखेड़ी को नियुक्ति पत्र को प्रदान किया गया।

अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश इंदौर के संकटग्रस्त वार्डों में विशेष जलापूर्ति योजना की जाए लागू



समय में असमानता और विसंगतियों को तत्काल दूर किया जाये। साथ ही सभी क्षेत्रों में संतुलित जल वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शासकीय महाविद्यालयों, छात्रावासों तथा अन्य आवासीय संस्थानों में जल उपलब्धता की विशेष चिंता करने के निर्देश दिए। साथ ही जल चोरी करने वालों एवं मोटरों के माध्यम से अवैध रूप से पानी खींचने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई को कहा।

जल टंकियों का पूर्ण क्षमता से उपयोग सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शहर की बड़ी जल टंकियों का पूर्ण क्षमता से उपयोग सुनिश्चित किया जाए। निजी एवं नगर निगम के टैंकों की मिनट-टू-मिनट मॉनिटरिंग की जाए। पाइपलाइन लीकेज एवं वितरण हानि को तत्काल सुधारकर जल की बर्बादी रोकी जाए। इन्होंने कहा कि भोपाल से वरिष्ठ अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी पूर्व में भी इंदौर का दौरा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों और नागरिक समितियों के साथ नियमित संवाद तथा समन्वय बनाए रखने तथा जल संकट की स्थिति से संबंधित जानकारी एवं प्रतिवेदन मुख्यमंत्री कार्यालय को निरंतर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

गोपाल गौरव दिवस पर बोले सांसद आलोक

विलीनीकरण आंदोलन स्वतंत्रता के बाद का एक महत्वपूर्ण अध्याय

हरिभूमि न्यूज़ ►►गोपाल

आज भोपाल गौरव दिवस मनाया जाएगा। यह दिन भोपाल का



रहा था तब भोपाल में सनटाटा पररा हुआ था। इसे असली आजादी देश की स्वतंत्रता के 2 साल बाद 1 जून 1949 को मिली व 659 दिन बाद निरंगा फहराया जा सका। यह बात भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने

भोपाल गौरव दिवस को याद करते हुए कही। महापौर रहते हुए मैंने पार्श्वों के बीच यह बात रखी कि हमें ‘भोपाल गौरव दिवस’ के रूप में मनाना चाहिए। नगर परिषद ने भोपाल विलीनीकरण दिवस को ‘भोपाल का गौरव दिवस’ के रूप में मनाने का संकल्प पारित किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी शुरुआत की और तब वर्ष 2017 से लगातार प्रतिवर्ष ‘भोपाल गौरव दिवस’ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल विलीनीकरण आंदोलन में भोपाल रियासत के नागरिकों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता।

कुछ बोलने से पहले पटवारी आत्ममंथन करें: डॉ. बाजपेई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के शुजालपुर में दिये बयान को लेकर प्रदेश की राजनीति में जारी बयानबाजी के बीच भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ हितेश बाजपेई ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर पलटवार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कांग्रेस नेतृत्व पर जनादेश का सम्मान नहीं करने का आरोप लगाया। डॉ बाजपेई ने कहा कि चुनाव हारना और जनता के फैसले को लगातार नकारना दो अलग-अलग बातें हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण देते हुए लिखा कि अटल जी चुनाव हारे, लेकिन उन्होंने कभी जनता के निर्णय पर सवाल नहीं उठाए। वहीं कांग्रेस नेताओं पर हार के बाद जनादेश को स्वीकार न करने और चुनौती हुई सरकारों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसान का बेटा होना गर्व की बात है, लेकिन किसानों के नाम पर राजनीति करना उचित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि मप्र की जनता ने 2023 के विस चुनाव में अपना फैसला स्पष्ट रूप से दिया था और वर्ष 2028 में भी वही जनता अपना निर्णय करेगी।



डॉ. बाजपेई

खबर संक्षेप

वेदांता ने हासिल की डोमेस्टिक क्रेडिट रेटिंग मुंबई। वेदांता ग्रुप को एक दशक से भी ज्यादा समय में अपनी सबसे अधिक डोमेस्टिक क्रेडिट रेटिंग मिली है। यह रेटिंग मूडीज की सहयोगी कंपनी आईसीआरए द्वारा ग्रुप की मुख्य संस्थाओं की लंबी अवधि की रेटिंग को एए प्लस तक अपग्रेड किए जाने के बाद दी गई है। आईसीआरए ने वेदांता लिमिटेड और वेदांता एलुमिनियम मैटल लिमिटेड की लॉन्ग टर्म रेटिंग को स्टेबल आउटलुक के साथ एए प्लस पर अपग्रेड कर दिया है। साथ ही तलवंडी साबो पावर लिमिटेड को ए प्लस/ वॉच डेवलपिंग से एए-/स्टेबल में अपग्रेड किया गया है।

एचपीसीएल और टाटा मोटर्स की साझेदारी मुंबई। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और टाटा मोटर्स ने इस्तेमाल हो चुके ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट्स के जिम्मेदार संग्रह और रीसाइक्लिंग के लिए एक व्यवस्थित और विस्तार योग्य मॉडल का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एचपीसीएल के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर-ल्यूब्स, च. श्रीनिवास ने कहा कि प्रयुक्त तेल में वास्तविक चक्रीयता प्राप्त करने की शुरुआत परिष्कृत आधार तेल को तैयार स्नेहकों में पुनः एकीकृत करने से होती है।

एशियन पेंट्स ने पेश की एंटी-डैप टेक्नोलॉजी **भोपाल।** एशियन पेंट्स ने मकान मालिकों की एक बड़ी समस्या का समाधान पेश करते हुए अपने लोकप्रिय एस और ट्रेक्टर इमल्शन में नई एंटी-डैम्प टेक्नोलॉजी लांच की है। कंपनी का दावा है कि यह तकनीक दीवारों पर बनने वाले पानी के निशानों और नमी से होने वाले नुकसान से बेहतर सुरक्षा प्रदान करेगी, जिससे घर लंबे समय तक सुंदर और आकर्षक बने रहेंगे। कंपनी के एमडी एवं सीईओ अमित किंगल ने कहा कि देशभर में उपभोक्ताओं की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं।

एशियन पेंट्स ने पेश की एंटी-डैप टेक्नोलॉजी **भोपाल।** एशियन पेंट्स ने मकान मालिकों की एक बड़ी समस्या का समाधान पेश करते हुए अपने लोकप्रिय एस और ट्रेक्टर इमल्शन में नई एंटी-डैम्प टेक्नोलॉजी लांच की है। कंपनी का दावा है कि यह तकनीक दीवारों पर बनने वाले पानी के निशानों और नमी से होने वाले नुकसान से बेहतर सुरक्षा प्रदान करेगी, जिससे घर लंबे समय तक सुंदर और आकर्षक बने रहेंगे। कंपनी के एमडी एवं सीईओ अमित किंगल ने कहा कि देशभर में उपभोक्ताओं की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं।

सैमसंग का विजन एआई टीवी लाइनअप लांच गुरुग्राम। सैमसंग इंडिया ने भारत में अपने नए 2026 विजन एआई टीवी लाइनअप को लांच कर दिया है। इस नई रेंज में माइक्रो आरजीबी, ओएलईडी, नियो क्यूएलईडी, द फ्रेम, मिनी एलईडी और यूएचडी टीवी मॉडल शामिल हैं। कंपनी ने अपने लगभग सभी मॉडलों में एआई-वॉलर्ड फीचर्स का विस्तार किया है, ग्राहकों को 1,02,990 रुपए तक का कॉम्प्लिमेंट्री साउंडबार और 23,990 रुपए का प्री म्यूजिक स्टूडियो मिलेगा। इसके अलावा, 20 प्रतिशत तक कैशबैक और आसान ईएमआई विकल्प भी उपलब्ध होंगे।

प्लैटिनम आरएक्स ने किया 10 लाख का आंकड़ा पार इंदौर। फिफायती ब्रांडेड-जेनेरिक दवाओं के लिए भारत के प्रमुख प्लेटफॉर्म प्लैटिनमआरएक्स ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 10 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी के अनुसार, अब तक इस प्लेटफॉर्म के जरिए देशभर के मरीजों को 128 करोड़ से अधिक की बचत हुई है। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग जैसी दीर्घकालिक बीमारियों से जुझ रहे मरीजों के लिए दवाओं पर हर महीने 2,000 से 5,000 रुपए तक का खर्च आम बात है।

हिंदुस्तान जिंक ने 18,846 करोड़ का योगदान दिया उदयपुर। हिंदुस्तान जिंक ने कंपनी की 9वीं वित्त वर्ष 2025-26 में राजकीय कोष में 18,846 करोड़ रुपए का योगदान दिया। यह रिपोर्ट पारदर्शी शासन और राष्ट्र निर्माण के प्रति हिंदुस्तान जिंक की लगातार प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। यह योगदान, कंपनी के राजस्व का 46 प्रतिशत है, जो भारत के आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर भारत मिशन के प्रति कंपनी के योगदान को दर्शाता है। पांच वर्षों में राजकीय कोष में कंपनी का कुल योगदान अब 91,572 करोड़ रुपए हो गया है।

केंद्र सरकार से उपभोक्ताओं और परिवहन क्षेत्र को राहत देने की मांग

वाणिज्य प्रतिनिधि ►►गोपाल अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेट कूड ऑयल के दाम 104 डालर प्रति बैरल से लुढ़ककर 90 से 93 डालर के दायरे में आ गए हैं। ब्रेट कूड ऑयल के दाम में आई इस गिरावट के बाद ट्रॉसपोर्ट उद्योग और व्यापारिक संगठनों ने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि वैश्विक स्तर पर कूड ऑयल सस्ता होने का सीधा लाभ आम उपभोक्ताओं और परिवहन क्षेत्र को मिलना चाहिए।

आल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रॉसपोर्ट एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र कपूर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेट कूड ऑयल का भाव करीब 104 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम अवधि बढ़ने तथा समुद्री आपूर्ति मार्गों में स्थिरता की संभावनाओं के चलते वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव कम हुआ है। इसके बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई



राजेंद्र कपूर

पहले से दबाव झेल रहे परिवहन क्षेत्र की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। ईंधन लागत के अलावा एनवायरमेंट कम्पनसेशन चार्ज , लगातार बढ़ते टोल टैक्स, भारी जुर्माने और विभिन्न परिचालन प्रतिबंधों ने व्यावसायिक वाहनों के संचालन को महंगा बना दिया है। उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों का कहना है कि माल ढुलाई लागत बढ़ने का असर सीधे वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है, जिससे महंगाई को बढ़ावा मिलता है। ऐसे में यदि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी की जाती है तो इसका लाभ केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे आर्थिक तंत्र को मिलेगा।

विस्तार योजनाओं के साथ बाजार में उतरेगी कंपनी पैकेज्ड मसाला ब्रांड इंदौर की ‘पुष्प ब्रांड’ मसाला कंपनी आईपीओ की तैयारी में

हरिभूमि न्यूज ►►इंदौर मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित प्रमुख पैकेज्ड मसाला ब्रांड ‘पुष्प ब्रांड (इंडिया) लिमिटेड’ ने प्रारंभिक सार्वजनिक पेशाकश (आईपीओ) की दिशा में कदम बढ़ाते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के समक्ष ड्राफ्ट रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर दिया है। कंपनी का यह इश्यू मुख्य रूप से ऑफर फॉर सेल पर आधारित होगा, जिसमें मौजूदा प्रमोटर और निवेशक अपनी हिस्सेदारी का आंशिक विनिवेश करेंगे। प्रस्तावित आईपीओ में सुरेंद्र कुमार सुराना और महेंद्र कुमार सुराना सहित प्रमोटर शेयरधारकों द्वारा 74.45,000 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री शामिल है। इसके अलावा ९91 इमर्जिंग फंड और सिकस्थ सेंस इंडिया अपॉर्च्युनिटीज



वित्तीय प्रदर्शन में मजबूत वृद्धि कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में लगातार सुधार देखा गया है। परिचालन राजस्व वित्त वर्ष 2024 के 3,982.43 मिलियन रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 4,819.41 मिलियन रुपए हो गया। इसी अवधि में शुद्ध लाभ 333.30 मिलियन रुपए से बढ़कर 589.54 मिलियन रुपए पहुंच गया। एबिटडा भी इसी अवधि में 494.97 मिलियन रुपए से बढ़कर 841.90 मिलियन रुपए हो गया, जो कंपनी की मजबूत परिचालन दक्षता और लागत प्रबंधन को दर्शाता है। कंपनी का वितरण नेटवर्क 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैला है, जिसमें 1,016 वितरक और 3.68 लाख से अधिक रिटेल टचपॉइंट शामिल हैं।

भारत का टैलेंट होगा एआई युग के लिए तैयार एमआईटी का एकेडमिया साझेदारी पर जोर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और तेजी से बदलती तकनीकों के दौर में युवाओं को भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (एमआईटी-डब्ल्यूपीयू), पुणे और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट (एनआईपीएम), कर्नाटक चेप्टर द्वारा आयोजित ‘इंस्टर्टी एकेडमिया कॉन्क्लेव 2026’ में उद्योग जगत और शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने कंपनियों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा प्रणाली विकसित करने तथा एआई-रेडी टैलेंट तैयार करने पर जोर दिया। बैंगलुरु में ब्रिजिंग आइडियाज, बिल्डिंग फ्यूचर्स थीम के तहत आयोजित इस सम्मेलन में एचआर लीडर्स, शिक्षाविदों, टेक्नोलॉजी विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कार्यस्थलों में हो



रहे बदलाव, एआई के प्रभाव, नई स्किल्स की मांग और सतत सीखने की आवश्यकता जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। सम्मेलन में सोना वल्लियप्पा ग्रुप के वाइस चेयरमैन त्यागू वल्लियप्पा, एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के चीफ एकेडमिक ऑफिसर प्रो. प्रसाद डी. खांडेकर तथा एनआईपीएम कर्नाटक चेप्टर के चेयरमैन संजय मित्रा सहित कई प्रमुख वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए। इसके अलावा आईबीएम, बायोकॉन, कैनेोनिकल, क्राफ्ट हेन्ज इंडिया और जेपलएल जैसी अग्रणी कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भागीदारी की।

बिजनेस न्यूज



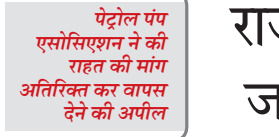
सहयोग की शुरुआत को दर्शाता है। साथ ही, यह वीआईटी भोपाल की छात्र-केंद्रित सोच तथा सुरक्षित, स्वस्थ एवं सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण प्रदान करने की प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करता है। यह सहयोग विश्वविद्यालय द्वारा पहले से अपनाए जा रहे स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा, निवारक निगरानी तथा समग्र छात्र कल्याण के उच्च मानकों को और अधिक सशक्त बनाएगा। छात्रावास, भोजनालय एवं अन्य कैम्पस सुविधाओं में इमराम और का पालन पहले से ही एक सुव्यवस्थित प्रणाली के अंतर्गत किया जा रहा है और डॉ.

बोले-कच्चा तेल सस्ता, लाभ आम उपभोक्ताओं और परिवहन क्षेत्र को दिया जाए, सरकार तत्काल हस्तक्षेप करे

ब्रेट कूड ऑयल करीब 104 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास

अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है असर

ट्रॉसपोर्ट क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि भारत में 75 प्रतिशत से अधिक माल ढुलाई सड़क मार्ग से होती है। ऐसे में यदि ट्को की परिचालन लागत लगातार बढ़ती रही तो आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है और इसका असर व्यापार, उद्योग तथा उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। व्यापारिक संगठनों ने केंद्र सरकार से मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट का लाभ देशवासियों तक पहुंचाने के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों की समीक्षा कर तत्काल राहत दी जाए। उनका मानना है कि इससे ट्रॉसपोर्ट उद्योग को संभल मिलेगा, माल ढुलाई लागत कम होगी और महंगाई पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। उद्योग जगत का कहना है कि जब वैश्विक बाजार में कच्चा तेल सस्ता हुआ है तो उसका फायदा आम जनता तक पहुंचना चाहिए, ताकि आर्थिक गतिविधियों को गति मिले और उपभोक्ताओं को बढ़ती लागत से राहत मिल सके। ट्रॉसपोर्ट उद्योग और व्यापारिक संगठनों ने केंद्र सरकार से मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट का लाभ तत्काल उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाए। पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में शीघ्र कमी की जाए।



अतिरिक्त कर का लाभ मोहन सरकार वापस दे: अजय सिंह

मध्यप्रदेश पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन ने राज्य में ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार से आम जनता को राहत देने की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि तेल विपणन कंपनियों और विभिन्न करों के कारण प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 8 रुपए प्रति लीटर तक की वृद्धि हो चुकी है, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ा है। अजय सिंह के अनुसार, मौजूदा स्थिति में सरकार को तीन स्तरों पर

कर वसूली के जरिए राजस्व प्राप्त हो रहा है, जिसके चलते पेट्रोल पर लगभग 3 रुपए और डीजल पर करीब 2.70 रुपए प्रति लीटर अतिरिक्त कर के रूप में प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह अतिरिक्त कर का लाभ मोहन सरकार वापस दे तो आम जनता को तत्काल राहत मिल सकती है। एसोसिएशन ने कहा कि जिस तरह सरकार राजस्व संग्रह के प्रति संवेदनशील रहती है, उसी तरह अब जनता को बढ़ती ईंधन कीमतों से राहत देने के लिए भी समान संवेदनशीलता दिखाने की आवश्यकता है। संगठन का मानना है कि ईंधन दरों में मामूली कमी भी महंगाई पर बड़ा सकारात्मक असर डाल सकती है।

महंगाई का दबाव कम होगा

पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन ने सुझाव दिया है कि राज्य सरकार यदि अतिरिक्त कर घटाती है या वापस लेती है तो इसका सीधा लाभ आम उपभोक्ताओं, परिवहन क्षेत्र और व्यापार जगत को मिलेगा। इससे महंगाई के दबाव में भी कमी आने की संभावना है। ईंधन कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बीच पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने सरकार से कर नीति की समीक्षा करते हुए कड़ाकि भोपाल सहित समूचे प्रदेश में मई 2026 में पेट्रोल-डीजल के दाम लगभग 8.13 रुपए तक बढ़ गए हैं। वर्तमान में भोपाल में पेट्रोल 114.65 प्रति लीटर और डीजल का भाव 99.74 प्रति लीटर के आसपास है। मालूम हो कि मध्यप्रदेश सरकार देश के सबसे ज्यादा टैक्स (वैट) वसूलने वाले राज्यों में शामिल है। सरकार तीन स्तरों में टैक्स लेती है। पेट्रोल पर टैक्स 29 फीसदी वैट + 2.50 प्रति लीटर अतिरिक्त वैट + 1 फीसदी सेस और डीजल पर टैक्स 19 फीसदी वैट + 1.50 रुपए प्रति लीटर अतिरिक्त वैट एवं 1 फीसदी सेस वसूली कर रही है।

महिद्रा मैनुलाइफ ने एमपावर एसआईएफ को लांच किया

मुंबई। महिद्रा मैनुलाइफ म्यूचुअल फंड ने ‘एमपावर एसआईएफ’ (स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड) लॉन्च करने की घोषणा की है। इसके साथ ही फंड ने सेबी द्वारा अधिसूचित नए निवेश उत्पाद स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (‘एसआईएफ’) श्रेणी में प्रवेश किया है और निवेशकों को विशेष निवेश सॉल्यूशन प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

एसआईएफ श्रेणी में पारंपरिक म्यूचुअल फंडों से आगे रणनीतियां उपलब्ध हैं, जिनमें लॉन्ग-शॉर्ट एप्रोच, डेरिवेटिव-आधारित रणनीतियां और अधिक केंद्रित पोर्टफोलियो निर्माण शामिल हैं। यह उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाना चाहते हैं। कंपनी के एमडी और सीईओ एंथनी हेरेडिया ने कहा कि एमपावर एसआईएफ का लांच हमारे उत्पाद श्रृंखला के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है। जैसे-जैसे निवेशक और उनके लक्ष्य और आकांक्षाएं समय के साथ विकसित होती हैं।

रिटेलर मार्जिन मनी में वृद्धि आज से प्रभावशील

भोपाल सांची दुग्ध विक्रेताओं की मार्जिन मनी में तीन साल बाद 6 से 15 फीसदी की हुई वृद्धि



वाणिज्य प्रतिनिधि ►►गोपाल

इन दूध पैकेट्स में रिटेलर मार्जिन मनी वृद्धि सांची ब्रांड के विभिन्न प्रकार के दूध पैकेट्स एफसीएम, स्टैण्डर्ड, डीटीएम, चाह पर लगभग 6 फीसदी तथा टीएम दूध पर लगभग 15 फीसदी मार्जिन मनी की वृद्धि की गई है। डीटीएम दूध 180 एमएल पर रिटेलर मार्जिन मनी को यथावत रखा गया है। भोपाल सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित क्षेत्र के अंतर्गत सांची डिपो, पाल्हर, एजेंसी, एजेंट्स संचालकों ने भोपाल सहकारी दुग्ध संघ का धन्यवाद करते हुए कहा कि सांची रिटेलर के विक्रेता मार्जिन मनी में तीन साल बाद वृद्धि हुई है, उसके लिए धन्यवाद सांची।

तनिष्क ने सचिन के साथ की ‘गोल्ड एक्सचेंज’ पहल की शुरुआत

मुंबई। टाटा समूह के एक सदस्य, तनिष्क ने क्रिकेट जगत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के साथ अपनी नवीनतम ‘गोल्ड एक्सचेंज’ पहल की शुरुआत की है। इसका मुख्य उद्देश्य तनिष्क के पारदर्शी तैर- तरीकों और ग्राहकों को मिलने वाले उस भरोसे को सामने लाना है, जिन्हने इसे भारत में गोल्ड एक्सचेंज का सबसे पसंदीदा नाम बनाया है। आज, 36 लाख से अधिक ग्राहक तनिष्क के गोल्ड एक्सचेंज से जुड़ चुके हैं, जो इसे देश में सबसे बड़े और सबसे ज्यादा अपनाए जाने वाले एक्सचेंज प्लेटफॉर्म में से एक बनाता है। टाइटन कंपनी के ज्वेलरी डिवीजन के सीईओ, अरुण नारायण ने कहाकि गोल्ड एक्सचेंज मूल रूप से पूरी तरह भरोसे पर आधारित फैसला है,ग्राहक उन गहनों को हमारे पास लाते हैं जिनका उनके लिए भावनात्मक और वित्तीय दोनों तरह का गहरा महत्व होता है।

संरक्षक सदस्य के रूप में शैलेंद्र गुप्ता एवं नारायण खेमानी के नामों की घोषणा

संगठन के संरक्षक सदस्य के रूप में गोविंद पंजवानी, सुनील गुप्ता, शैलेंद्र गुप्ता एवं नारायण खेमानी के नामों की घोषणा की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने एकमत होकर संगठन को मजबूत बनाने तथा एक-दूसरे के हितों की रक्षा के लिए पूर्ण सहयोग का संकल्प लिया। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक गुप्ता, सचिव सतीश सिंह एवं कोषाध्यक्ष शांतनु महकार ने संगठन की आगामी योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी दी। प्रमुख सदस्यों में जितेश वासनासी, महेश नागर, प्रवीण गायकवाड, सचिन शर्मा, रामकृष्ण शिवहरे, अमित गुप्ता एवं राहुल दांगी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रामकिशन नाहर सहित सभी सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और संगठन की एकजुटता को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक का समापन संगठन के उज्ज्वल भविष्य और सदस्य हितों के संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ।

वैक्सीनेशन) को सार्वजनिक स्वास्थ्य की अगली बड़ी प्राथमिकता बताया है। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस 2026 के अवसर पर जारी आंकड़ों के अनुसार देशभर में भी टीकाकरण कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारत में पूर्ण टीकाकरण का स्तर वर्ष 2015 के 62 प्रतिशत से बढ़कर जनवरी 2026 तक 98.4 प्रतिशत तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि रोगों की रोकथाम पर केंद्रित स्वास्थ्य नीतियों और जागरूकता अभियानों की सफलता का परिणाम है। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी ने एडल्ट वैक्सीनेशन विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम में जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज के प्रो- चांसर एवं वरिष्ठ चिकित्सक तथा राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (आरयूएचएस) के पूर्व कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।

अमेजन फैशन की ‘वार्डरोब रिफ्रेश सेल’ शुरू

बैंगलुरु। अमेजन फैशन ने अपनी बहुप्रतीक्षित ‘वार्डरोब रिफ्रेश सेल’ के 18वें संस्करण की घोषणा कर दी है। यह सेल 2 जून तक चलेगी, जिसमें ग्राहकों को फैशन और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स पर 50 से 80 प्रतिशत तक की आकर्षक छूट मिलेगी। सेल के दौरान ग्राहक कपड़े, फुटवियर, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, घड़ियां, लगेज, हैंडबैग और एक्सेसरीज जैसी श्रेणियों में 1500 से अधिक प्रमुख ब्रांड्स के 4 लाख से ज्यादा स्टाइल्स में से खरीदारी कर सकेंगे। इस दौरान ग्रीन, लिबास, क्रॉक्स, मेबेलिन, प्यूमा, अमेरिकन टूरिस्टर, पाल्मोनास और फिलिप्स जैसे लोकप्रिय ब्रांड्स के उत्पाद विशेष ऑफर्स में उपलब्ध रहेंगे।

मोरपेन के साथ यह साझेदारी एस छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण को और अधिक प्रभावी बनाएगी। इस व्यापक समझौते के अंतर्गत डॉ. मोरपेन समूह वीआईटी भोपाल के कैंपस स्थित स्वास्थ्य केंद्र का संचालन संभालेगा। इस सुविधा के अंतर्गत निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। क्लिनिकल सेवाएं एवं आपातकालीन चिकित्सा सुविधा- योग्य चिकित्सकीय विशेषज्ञों द्वारा चौबीसों घंटे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं। कैंपस स्थित पथोलॉजी लेब- त्वरित एवं सटीक जाँच रिपोर्ट के लिए उन्नत डायग्नोस्टिक एवं परीक्षण सुविधाएं। कैंपस स्थित फार्मसी स्टोर- आवश्यक दवाइयों एवं स्वास्थ्य उत्पादों की सहज उपलब्धता। दैनिक चिकित्सकीय सेवाओं के अतिरिक्त, यह सहयोग छात्रों के लिए नियमित स्वास्थ्य शिपिर, विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों जैसी सक्रिय वेलनेस सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर वीआईटी के संस्थापक एवं कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन तथा वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. शंकर विश्वनाथन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में एडल्ट वैक्सीनेशन विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया

जयपुर । राजस्थान ने टीकाकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए पिछले तीन दशकों में बड़ी प्रगति दर्ज की है। राज्य में जहां वर्ष 1992-93 में पूर्ण टीकाकरण का दायरा केवल 21.1 प्रतिशत था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 91.8 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसी सफलता और वर्ष 2009 से पोलियो-मुक्त स्थिति बनाए रखने के बीच अब स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने वयस्क टीकाकरण (एडल्ट

चिंतन

सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़े सुविधाओं का दायरा

भारत-बांग्लादेश सीमा से लगे पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में फेंसिंग का कार्य शुरू होना केवल सुरक्षा का मामला नहीं है, बल्कि वहां रहने वाले लाखों लोगों के जीवन में स्थिरता और विश्वास लौटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। लंबे समय से सीमा के कई हिस्सों में बाड़ नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों को घुसपैठ, तस्करी, फसल चोरी और सुरक्षा संबंधी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। अब जब सीमा पर कंट्रोल तार लगाने और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की प्रक्रिया शुरू हुई है, तो लोगों में नई उम्मीद जगी है। चुनाव के कारण क्षेत्र में ठप पड़े कामों पर अब एक्शन शुरू हो चुका है। भाजपा की नई सरकार बंगाल में विकास के वादे के साथ आई। लोगों को उम्मीद है कि अब यहां सुरक्षा के साथ सुविधाएं भी मिलेंगी। मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार स्थित सकारपाड़ा गांव की स्थिति इस समस्या का गंभीरता को दर्शाती है। लगभग चार हजार आबादी वाले इस गांव के अधिकांश लोग खेती पर निर्भर हैं। यहां घरों के बाद सीधे खेत शुरू हो जाते हैं और खेतों के बाद बांग्लादेश की सीमा आ जाती है। वर्षों से स्थानीय किसानों की शिकायत रही है कि सीमा पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण उनकी फसलें नुकसान का शिकार होती रही हैं। बंगाल की बांग्लादेश के साथ करीब 2,216 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जो किसी भी भारतीय राज्य की सबसे लंबी सीमा मानी जाती है। इसके बावजूद करीब 600 किलोमीटर क्षेत्र ऐसा है, जहां अब तक फेंसिंग का कार्य अधूरा रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार भारत-बांग्लादेश सीमा के अधिकांश हिस्से में बाड़ लग चुकी है, लेकिन शेष क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से चुनौती बना हुआ है। ऐसे में सीमावर्ती जिलों में फेंसिंग का विस्तार समय की मांग है। हाल के दिनों में नई राज्य सरकार द्वारा बीएसएफ को भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तेज की गई है। जलपाईगुड़ी, कुचबिहार, सिलिगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों में जमीन हस्तांतरण और सुरक्षा ढांचे के विकास का कार्य शुरू हुआ है। यह कदम सीमा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा। बीएसएफ आउटपोस्ट, निगरानी तंत्र और फेंसिंग के माध्यम से अवैध घुसपैठ तथा तस्करी पर अंकुश लगाने में सहायता मिलेगी। हालांकि केवल बाड़ लगाना ही पर्याप्त नहीं होगा। सीमावर्ती क्षेत्रों की सबसे बड़ी समस्या विकास और सुविधाओं का अभाव भी है। इन इलाकों में सड़क, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, सिंचाई और रोजगार के अवसर अपेक्षाकृत कम हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ-साथ इन क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा। यदि सीमावर्ती गांवों के युवाओं को रोजगार, किसानों को बेहतर बाजार और ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी, तभी सुरक्षा उपायों का वास्तविक लाभ समाज तक पहुंचेगा। सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासी देश की सुरक्षा व्यवस्था का पहला मानवीय चेहरा होते हैं। इसलिए उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना राष्ट्रीय हित का विषय है। फेंसिंग से जहां सुरक्षा बढ़ेगी, वहीं सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ग्रामीणों की खेती, आवागमन और दैनिक जीवन प्रभावित न हो। इससे घुसपैठ और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण मजबूत होगा तथा स्थानीय लोगों में सुरक्षा का भाव बढ़ेगा, लेकिन इस प्रक्रिया की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब सीमावर्ती गांवों में रहने वाले नागरिकों को सुरक्षा के साथ-साथ विकास, सुविधाएं और बेहतर जीवन के अवसर भी प्राप्त होंगे।

कमजोर मानसून

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा



महंगाई का लगेगा तड़का अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

मौसम विभाग द्वारा जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंता का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो-चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनौनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की आशंका बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर-पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मीटर अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। मानसूनी तय समय से विर्लंबित हो रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को मानें तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी, उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है, अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रूप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता। दरअसल देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे।

हालांकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था, वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की साल भर आवश्यकता होती है, उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए हैं। पांच नदियों के प्रदेश जनाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरूरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। टायलेट और कूलरों में पानी की खपत बहुत अधिक बढ़ गई है। इसी तरह से वाटर हार्वैस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है, वह किसी से छिपी नहीं है। बेमौसम आंधी ओलावृष्टि आम होती जा रही है। कुल मिलाकर, कहीं ना कहीं मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी ही होगी ताकि कमजोर मानसून का जैनजीवन और अर्थ व्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



शिक्षा नीति

अखिलेश आर्येन्दु



केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 में कक्षा 9 से त्रिभाषा सूत्र लागू करने का फैसला किया है।

इसका मकसद इससे बच्चों में भाषाई, राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का विकास करना है। हिंदी को राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित करने की मांग भी दशकों से होती रही है। वहीं, दक्षिण में (तमिलनाडु) में हिंदी के विरोध से चुनाव जीते जाते रहे हैं। कुछ खास दलों द्वारा किया गया हिंदी का विरोध शिक्षण संस्थानों और राज्य के मान–सम्मान से भी जोड़ने का कार्य किया गया। देश प्रथम का नारा का मतलब– स्व-भाषा, स्व-संस्कृति, स्व-धर्म और स्वदेशी वस्तुओं को अहमियत देने से है, तभी भारत दुनिया का हर तरह से शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में अभिनंदनीय होगा।

हर युग में प्रासंगिक ‘महादेव’

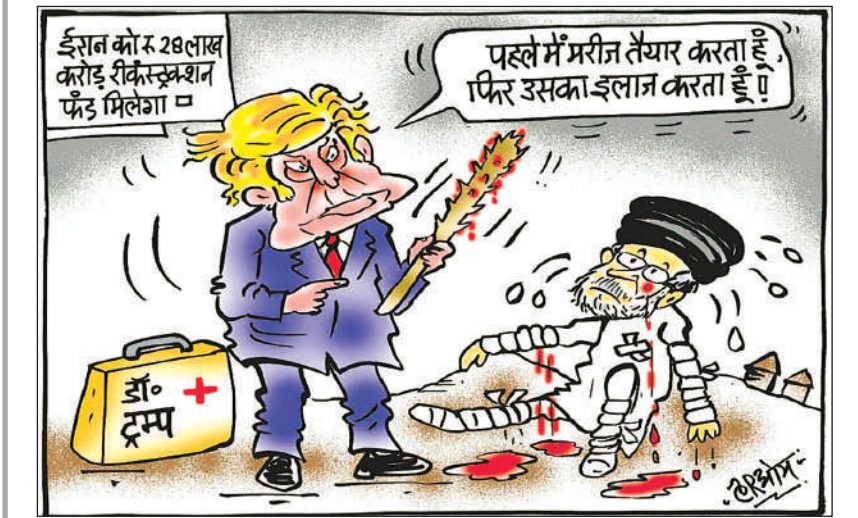


संकलित

दर्शन

कुछ दिन पहले किसी ने मुझसे पूछा कि क्या मैं आदियोगी शिव का प्रशंसक हूं। प्रशंसक होने का अर्थ है कि उसकी भावनाओं से जुड़ जाना। मेरे साथ ऐसा नहीं है। मैं शिव को महत्वपूर्ण इसलिए मानता हूं, क्योंकि उनका योगदान काल के परे है। इसलिए वे सदा प्रासंगिक हैं। किसी भी पीढ़ी में किसी इंसान को प्रशस्ति उस योगदान के लिए की जाती है, जो उसने उस पीढ़ी या आने वाली पीढ़ियों के लिए किया है। इस धरती पर कई ऐसे लोग आए हैं, जिन्होंने दूसरों के जीवन में योगदान किया है। जो उस समय की जरूरत के अनुसार था, वह उस लेकर आया। गौतम बुद्ध के समय समाज कर्मकांडों में लिपटा हुआ था। जब उन्होंने बिना किसी कर्मकांड के आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू की तो वह लोकप्रिय हो गए। अगर समाज में कर्मकांड नहीं होते, तो वह इतने महत्वपूर्ण नहीं होते। कृष्ण बहुत महत्वपूर्ण थे, लेकिन फिर भी, यदि पांडवों और कौरवों के बीच युद्ध नहीं होता, तो वह सिर्फ अपने आसपास की जगहों पर प्रभावशाली होते। आदियोगी या शिव का महत्व यही है कि उनके साथ ऐसी कोई घटना नहीं हुई। कोई युद्ध नहीं हुआ, कोई टकराव नहीं हुआ। उन्होंने मानव चेतना को इस प्रकार से विकसित करने के साधन और तरीके दिए कि वे हर युग में प्रासंगिक रहें। हमने उन्हें महादेव की उपाधि दी, क्योंकि उनके योगदान के पीछे की बुद्धि, दृष्टि और ज्ञान अद्भुत है।

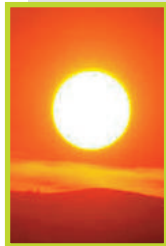
सटाका



करंट अफेयर

बच्चे नए तंबाकू उत्पादों के प्रति जल्दी आकर्षित होते हैं

वयस्कों की तुलना में बच्चों के नये तंबाकू और निकोटीन उत्पादों की ओर आकर्षित होने की आशंका भी गुना अधिक होती है, जिससे वे इस उद्योग की विपणन रणनीतियों का प्रमुख शिकारबन रहे हैं। यह बात प्रमुख जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों ने रविवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर चेतावनी देते हुए कही। विशेषज्ञों ने कहा कि तंबाकू और निकोटीन उद्योग अपने उत्पादों को युवाओं के लिए आकर्षक बनाने के बरते स्वादयुक्त विकल्पों, आकर्षक डिजाइन, डिजिटल प्रचार और अन्य तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है जिससे नई पीढ़ी के निकोटीन की लत से ग्रस्त होने को लेकर चिंता बढ़ गई है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब दुनिया इस वर्ष का विश्व तंबाकू निषेध दिवस ‘अनमारस्किंग द अपील: काउंटरिंग निकोटीन एंड टोबैको एडिक्शन’ विषय के साथ मना रही है। इसका उद्देश्य तंबाकू और निकोटीन उत्पादों को विशेष रूप से बच्चों के लिए आकर्षक दिखाने हेतु अपनाई जाने वाली रणनीतियों और तौर-तरीकों को उजागर करना है। भारतीय आधुविज्ञान अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईसीपीआर) निरुक्त शालिनी सिंह ने कहा कि तंबाकू और निकोटीन उद्योग अवसर बच्चों और युवाओं को अपने विपणन प्रयास में केंद्रित करता है।



शामिल था। यही तकनीक चिकित्सा लेखन में भी है जिसका श्रेय यूनानी चिकित्सक हिप्पोक्रेटस को दिया जाता है जिनका काल लगभग 450–380 ईसा पूर्व माना जाता है। लगभग 150 ई. में आधुनिक तुर्की में सक्रिय रहे चिकित्सक एरेटियस ने लिखा था कि सूर्य का प्रकाश सूरती सहित कई बीमारियों को ठीक कर सकता था। इसमें वह बीमारी भी है जिसे हम आज अवसाद के रूप में पहचानते हैं। सुस्त मिटाने का अर्थ है प्रकाश में लेटना, सूर्य की किरणों के संपर्क में आना; तथा अपेक्षाकृत गर्म स्थान में रहना।

आज की पाती

विद्यार्थियों के गतिव्य से खिलवाड़ न हो

अभी नीट परीक्षा के पेपर लीक का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब सीबीएसई अर्थात केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की ऑन–स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का मामला सुर्खियों में छ गया है। हालांकि केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भी शायद माना है कि इसमें गड़बड़ी हुई है और विद्यार्थियों को आश्वासन दिया है कि उनकी समस्याओं का हल निकाला जाएगा। लेकिन सोचने वाली बात तो यह है कि देश के सबसे बड़ा शिक्षा बोर्ड ने इतनी बड़ी गलती कैसे कर दी? अब चाहे शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड इसके लिए जो तर्क दें, लेकिन क्या इससे विद्यार्थियों को इंसाफ मिलेगा? जो उन्हें मानसिक रूप से परेशानी हुई, क्या उसकी भरपाई होगी? बहरहाल, विद्यार्थियों के हितों से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए।

– सुनीता मलिक, रोहतक

ऑफ बीट

क्या सूर्य हमारे अस्तित्व के लिए आवश्यक है

आज इस बात के बहुत ज्यादा सबूत नहीं हैं कि प्राचीन लोग मानते थे कि सूरज की रोशनी ही बीमारी को ठीक कर सकती है। इसके बजाय, इस बात के ज्यादा सबूत हैं कि वे ठीक होने के लिए सूरज की गर्मी का इस्तेमाल करते थे। एबर्स पेपीरस ईसा पूर्व 1500 साल के आसपास का प्राचीन मिस्र का चिकित्सा ‘स्कूल’ है। इसमें ‘‘नसों को लचीला बनाने’’ के लिए मरहम बनाने की विधि दी गई है। यह मरहम शराब, घाज़, कालिख, फल और पेड़ के अर्क लोबान और लोहबान से बनाया गया था। इसे लगाने के बाद, व्यक्ति को ‘‘सूर्य के प्रकाश में रखा जाता था।’’ उदाहरण के लिए, खांसी के इलाज के लिए अन्य नुस्खों में विभिन्न सामग्री को एक बर्तन में डालकर धूप में रखना शामिल था। यही तकनीक चिकित्सा लेखन में भी है जिसका श्रेय यूनानी चिकित्सक हिप्पोक्रेटस को दिया जाता है जिनका काल लगभग 450–380 ईसा पूर्व माना जाता है। लगभग 150 ई. में आधुनिक तुर्की में सक्रिय रहे चिकित्सक एरेटियस ने लिखा था कि सूर्य का प्रकाश सूरती सहित कई बीमारियों को ठीक कर सकता था। इसमें वह बीमारी भी है जिसे हम आज अवसाद के रूप में पहचानते हैं। सुस्त मिटाने का अर्थ है प्रकाश में लेटना, सूर्य की किरणों के संपर्क में आना; तथा अपेक्षाकृत गर्म स्थान में रहना।

त्रिभाषा से होगा राष्ट्र चेतना का जागरण

राष्ट्रीय चेतना के जागरण के प्रयास में एनसीईआरटी लगा हुआ है। दो भारतीय भाषा सीखने से छात्र जहां भारतीय सांस्कृतिक विविधता और भाषाओं की अहमियत को समझ सकेगा वहीं पर भारत की ज्ञान परंपरा और लोक धर्म को भी समझ सकेगा। गौर तलब है भाषा महज शिक्षा प्राप्त करने का माध्यम या विषय ही नहीं है, बल्कि उस भाषा में सृजित साहित्य, ज्ञान, परंपराओं के साथ उसमें चिंतन की प्रवृति भी विकसित होगी। आजादी के सतहत्तर साल बाद भारत के राजनीतिक दलों में भाषा के मुद्दे पर एक समान चिंतन या समझ पैदा नहीं हो पाई है। इसका परिणाम यह दिखाई दे रहा है कि देश में राष्ट्र भाषा



या राष्ट्रीय भाषा की अहमियत और समझ विकसित नहीं हो पाई है। जो लोग 2020 की शिक्षा नीति और 9वीं में लागू होने वाली त्रिभाषा शिक्षा नीति को अपने राजनीतिक स्वार्थ की वजह से विरोध कर रहे हैं, उनका विरोध न केवल छात्र के मानसिक और सामाजिक चेतना के विकास में अवरोधक है, बल्कि राष्ट्रीय भाषाई एकता को सबल बनाने की कोशिश पर प्रतिघात जैसा है। भारत आर्थिक रूप से भले दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बनने की दिशा में दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रहा हो, लेकिन राष्ट्र एकता की आधार भाषाई एकता के मामले में सबसे पीछे है।

गौरतलब है कि एनसीईआईआरटी ने हर क्षेत्र और हर तरह के छात्रों-छात्राओं के हित को ध्यान में रखकर इसे लागू किया है। विदेशी छात्रों, दिव्यांग छात्रों और दूसरे तरह के छात्रों को इस फार्मूला से कोई दिक्कत आने वाली नहीं है। यानी शैक्षिक सहजता, मानसिक संतुलन और व्यावहारिक जरूरतों को इससे पूर्ति हो पाएगी। बोर्ड ने त्रिभाषा सूत्र के हर बिंदु और नजरिए पर शिहत के साथ गौर किया है। आजादी के वक्त और उसके बाद राष्ट्र भाषा का मुद्दा हल नहीं किया गया, जिसका परिणाम हुआ कि भारत की कोई राष्ट्र भाषा संविधान में इंगित नहीं हो

पाई। जब कि हिंदी राष्ट्र भाषा बनने की हकदार थी और है, क्योंकि यह सभी भाषाओं से अधिक क्षेत्रफल में और सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली, लिखी और समझी जाने वाली भाषा है। यह चूक या भूल आज तक ठीक नहीं हो पाई है। करना कोई वजह नहीं कि त्रिभाषा सूत्र पर बेमतलब विरोध किया जाता। किसी भी देश की राष्ट्र भाषा उस देश की आत्मा होती है, क्योंकि राष्ट्र रूपी शरीर में दिल आत्मा रूपी प्राण-वायु से ही धड़कता है। सनातन से भारत में भाषा दिल की धड़कन रही है। वह चाहे संस्कृत, पाली, प्राकृत रही हो या तमिल, कन्नड़ या पंजाबी रही हो। सभी भाषाओं में विपुल साहित्य लिखा गया। इसलिए दक्षिण से यदि त्रिभाषा फार्मूले का विरोध दिखाता है तो बेहद अफसोस और चिंता होती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अधिक से अधिक भाषा सीखने से व्यक्ति की मानसिक, बौद्धिक, तार्किक, रचनात्मकता, वैज्ञानिकता और संवेदनात्मकता, समीक्षात्मक शक्ति और सहज चिंतन का विकास होता है। विडम्बना यह है कि गुलामी की भाषा अंग्रेजी हमारे रग-रग में इस तरह घुसपैठ कर चुकी है कि अपनी मातृभाषा पर भी ध्यान देना भूल गए हैं।

फिर अपनी मातृभाषा पर गर्व कैसे करेंगे? यह नहीं कहा जा रहा है कि अंग्रेजी को छोड़ हिंदी या दूसरी भारतीय भाषाओं को सीखें। हमारा कहना बस इतना है कि मातृभाषा को भी उतनी ही अहमियत देनी होगी जितनी अंग्रेजी को। आजादी के अमृत काल में देश के युवा वर्ग के साथ-साथ शिक्षकों, समाज सेवियों, अभिभावकों, भाषा और शिक्षाविदों, समाज सुधार करने वाले संगठनों और राष्ट्रधर्मियों को सरकार के इस भाषाई पहल का समर्थन ही नहीं करना चाहिए, बल्कि इसकी जरूरत को त्रिभाषा फार्मूले का विरोध करने वालों को भी समझाना चाहिए। इससे भारत की सभी भाषाओं की अहमियत बढ़ेगी और हिंदी का एकतरफा राजनीतिक विरोध भी खत्म होगा। स्वदेशी अपनाते का प्रधानमंत्री का आह्वान महज विदेशी वस्तुओं की जगह स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि भाषा, संस्कृति, शिक्षा, विचार और साहित्य के क्षेत्र में भी इसकी उपयोगिता समझने और अपनाने के लिए है। इस मुद्दे को हर किसी को देशहित, विद्यार्थी-हित, समाज और संस्कृति-हित के रूप में देखने और समझने की जरूरत है। देश प्रथम का नारा का मतलब –स्व-भाषा, स्व-संस्कृति, स्व-धर्म और स्वदेशी वस्तुओं को अहमियत देने से है, तभी भारत दुनिया का हर तरह से शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में अभिनंदनीय होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। राजा को शिक्षा ग्रहण करते हुए कई महिने बीत गए, मगर राजा को कोई लाभ नहीं हुआ। गुरु तो रोज खूब मेहनत करता थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिए। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूं पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दिया- राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है.. गुरुवर कृपा कर के आप शीघ्र इस प्रश्न का उत्तर दीजिए, राजा ने विनती की। गुरूजी ने कहा- राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहां पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है।. गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वयं ऊंचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं।



गंगा डॉलिफन की रक्षा

गंगा डॉलिफन की रक्षा करके हम न केवल एक प्राजाति का संरक्षण कर रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की अमूल्य विरासत की रक्षा भी कर रहे हैं। इस दिशा में देश की पहली डॉलिफन बचाव एग्युलैस बेहद उपयोगी साबित हो रही है।

– नरेंद्र मोदी, मोदी

सांसद पर हमला निंदनीय

सोनाएपुर में सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। यह भाजपा की प्रतिशोध की राजनीति का चिन्होना चेहरा है। राजनीतिक मतभेद कभी भी हिंसा को उचित नहीं ठहरा सकते। केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार, दोनों को ही अपराधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

– राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

जवाबदेही तय की जाएगी

सभी अनाधिकृत निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हर स्तर पर लापरवाही के लिए जवाबदेही तय की जाएगी। कोई भी बिल्डर, अधिकारी या प्राधिकरण काजून से ऊपर नहीं है। दिल्ली सरकार अपने लोगों के साथ खड़ी है।

– रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

क्षष्ट भाजपा राजनीति

भाजपा बेईजानी से चुनाव जीती है, इस तथ्य को भाजपा के एक विधायक ने स्वीकार किया है, जिन्होंने एक ट्विटर डे ने बरट भाजपा राजनीति का पर्दाफास किया है और उसे कुपुल भी दिया है। इस बात जगता भाजपा के सारे हकड़ें उजागर कर देगी।

– अखिलेश यादव, सांसद, सपा

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट राणी कमलाकृति रेल्वे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com
पर भेज सकते हैं।

अभिषेक के आरोपों पर दिलीप घोष ने किया पलटवार

एजेंसी ►►कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिंसा और आरोप-प्रत्यारोप का दौर फिर तेज हो गया है। टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी और कल्याण बेनर्जी पर हुए कथित हमले को लेकर सियासी बयानबाजी चरम पर पहुंच गई। अभिषेक का आरोप है कि ये हमला भाजपा ने करवाया है। इस बीच भाजपा नेता दिलीप घोष ने अभिषेक के आरोपों पर कहा कि अभिषेक भाजपा पर हमला करवाने और उन्हें खत्म करने का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन अगर भाजपा ऐसा करना चाहती तो 15 दिन नहीं लगते। टीएमसी का नामोनिशान नहीं मिलता। भाजपा कानून व्यवस्था बनाने की कोशिश कर रही है।

खबर संक्षेप

प्राइवेट स्कूलों को लिखनी होगी दृश्यन फीस

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब राज्य के सभी निजी स्कूलों को अपने



नोटिस बोर्ड पर दृश्यन फीस की जानकारी देना अनिवार्य होगा। यह फीस सरकार ने तय की है। स्कूल शिक्षा विभाग ने यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया है। अगर कोई भी निजी स्कूल तय राशि से ज्यादा फीस लेता है, तो उसकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

हिमाचल में 3 नगर निगमों में भाजपा का कब्जा

शिमला। हिमाचल प्रदेश के 4 नगर निगमों धर्मशाला, मंडी, सोलन और पालमपुर में 17 मई को



हुए चुनावों के नतीजे रविवार को घोषित कर दिए गए। विपक्षी भाजपा ने 3 नगर निगमों पर कब्जा जमाते हुए

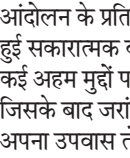
बड़ी राजनीतिक बदल हासिल की, जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस केवल पालमपुर नगर निगम को अपने पास बचाने में सफल रही। भाजपा इसे बड़ी संजीवनी मान रही है।

दिग्गज मराठी गायिका कल्याणपुर का निधन

मुंबई। अपनी आवाज का जादू बिखेरने वाली दिग्गज प्लेबैक सिंगर सुमन कल्याणपुर ने 89 साल की उम्र में मुंबई स्थित घर पर अंतिम सांस ली। उन्होंने पहले सुमन हेमदी नाम से गाने गाए थे। शादी के बाद सुमन कल्याणपुर के नाम से पहचान बनाई। गीतों को अवाज दी। सुमन का जन्म 28 जनवरी 1937 को अविभाजित भारत (अब बांग्लादेश) के भवानीपुर में हुआ था।

आंदोलन के बीच जरांगे ने तोड़ा अनशन

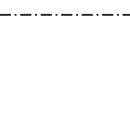
मुंबई। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे मराठा आंदोलन के प्रमुख नेता मनोज जरांगे पाटिल ने आखिरकार रविवार अनशन समाप्त कर दिया। राज्य सरकार और



आंदोलन के प्रतिनिधियों के बीच हुई सकारात्मक बातचीत के बाद कई अहम मुद्दों पर सहमति बनी, जिसके बाद जरांगे पानी पीकर अपना उपवास तोड़ा।

कई राज्यों के अध्यक्ष बदलने की तैयारी

नई दिल्ली। विधानसभा चुनावों का दौर खत्म होने और कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन के सुचारु रूप से खत्म होने के बाद कांग्रेस आलाकमान ने कुछ राज्यों की इकाइयों के पुनर्गठन और



भाजपा हमला करती तो आपका नामोनिशान नहीं मिलता और यही करना होता तो 15 दिन नहीं लगते, अब राजनीतिक हिंसा की ‘याद’ आई

पिछले 15 वर्षों में राज्य में 40 हजार लोगों की हत्या की गई



घोष ने टीएमसी पर राजनीतिक हिंसा का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में 40 हजार लोगों की हत्या हुई है। उन्होंने दावा किया कि जनता ने टीएमसी शासन के दौरान हिंसा झेली है। अब लोग जवाब चाहते हैं। घोष ने यह भी कहा कि टीएमसी के अपने नेताओं की हत्या के मामलों में भी पार्टी नेताओं ने सीबीआई जांच की मांग की थी क्योंकि उन्हें राज्य पुलिस पर भरोसा नहीं था।

पुलिस ने जिसे किया अरेस्ट, टीएमसी से निकला उसका लिंक

अभिषेक पर हमले की जांच में एक नया और बड़ा ट्विस्ट सामने आया है। अभिषेक पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए कई लोगों का संबंध सोनारपुर की पूर्व टीएमसी विधायक लवली मैत्रा के साथ पाया गया है।

हमले के बाद कल्याण से मिलने पहुंचीं ममता



हमें चुप नहीं कराया जा सकता

कल्याण पर हुगली में हमला हुआ है। ममता ने उनसे मिलकर कहा हमें चुप नहीं कराया जा सकता। उधर, ममता पर अभिषेक को भर्ती कराने में अस्पताल के सीईओ को धमकाने की बात सामने आई है।

ममता की बैठक से गावब रहे 60 विधायक

करारी हार के बाद टीएमसी में सबकुछ ठीक नहीं है। कई विधायक और सांसद नाराज बताए जा रहे हैं। इसको बल रविवार को तब और मिला, जब अभिषेक पर हुए हमले के बाद ममता के घर होने वाली बैठक में 80 में से 60 विधायक पहुंचे ही नहीं। इससे हड़कंप मच गया।

महुआ मोइत्रा ने भाजपा पर साधा निशाना

भाजपा गंदी जंगली पार्टी: मोइत्रा

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने भाजपा को गंदी जंगली पार्टी



कहा। मोइत्रा का दावा है कि भाजपा कार्यकर्ता सुष्मिता दत्ता को मोइत्रा ने कहा कि सुष्मिता दत्ता को भाजपा के बड़े नेताओं के साथ देखा गया है और यह भाजपा की गुंडागर्दी है।



बंगाल में मंत्रिमंडल विस्तार आज, 20 नामों की चर्चा तेज

बंगाल के मुख्यमंत्री सुबेंदु अधिकारी सोमवार को मंत्रिमंडल विस्तार करने वाले हैं। वर्तमान में सरकार में 5 कैबिनेट मंत्री हैं। बंगाल में मुख्यमंत्री को लेकर कुल 44 मंत्री हो सकते हैं। सरकार और भाजपा के सूत्रों ने कहा कि लगभग 20 और विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल कर सकते हैं।

‘मन की बात’ में प्रधानमंत्री ने कई बातों का किया जिक्र

कार्यक्रम में ‘प्रेरणा, परंपरा और प्रगति’ की बात की

2014 में शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब एक प्रमुख जनसंपर्क मंच बन चुका है। रविवार के एपीसोड में उन्होंने ‘प्रेरणा, परंपरा और प्रगति’ की बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों द्वारा लाए गए बदलाव के प्रेरणादायक उदाहरणों पर प्रकाश डाला प्रेरक बताया

एजेंसी ►►नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 134वें एपिसोड के जरिए देश और विदेश में नागरिकों को संबोधित किया। 2014 में शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब एक प्रमुख जनसंपर्क मंच बन चुका है। रविवार के एपीसोड में उन्होंने ‘प्रेरणा, परंपरा और प्रगति’ की बात की। पीएम मोदी ने नागरिकों द्वारा लाए गए बदलाव के प्रेरणादायक उदाहरणों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बस्ती के आकाश गुप्ता का जिक्र किया, जिन्होंने अपने दोस्तों के साथ मिलकर मनोरमा नदी से प्लास्टिक और जलकुंभी हटाकर उसे साफ किया; इस तरह उन्होंने नदी की स्वच्छता बहाल करने में मदद की और स्थानीय समुदाय में जागरूकता भी फैलाई। उन्होंने गोवा के एक रियल्टी टीचर, बालकृष्ण अय्या की कहानी भी शेयर की जिन्होंने मदी-तोलाप इलाके में पानी की कमी की समस्या को दूर करने पानी की पाइपलाइन बिछाने में मदद करके कई घरों तक पानी पहुंचाया।

कार्यक्रम के 134वें एपिसोड में बोले

नदी की स्वच्छता बहाल करने में मदद की और स्थानीय समुदाय में जागरूकता भी फैलाई



युवाओं में एस्ट्रोनॉमी के प्रति रुझान बढ़ा

प्रधानमंत्री मोदी ने विज्ञान में भारत की बढ़ती दिलचस्पी पर जोर देते हुए देश की खगोल विज्ञान की समृद्ध परंपरा और युवाओं की बढ़ती भागीदारी के बारे में बात की। उन्होंने बैंगलोर एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, खगोल मंडल, एस्ट्रो-केरलम और आईएएससी जैसे संगठनों का जिक्र किया, जो वर्कशॉप, नाइट कैम्प और एजुकेशनल प्रोग्राम के जरिए खगोल विज्ञान को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

किसानों के साथ आम की किस्मों का भी उल्लेख किया

प्रधानमंत्री ने भारत के आम के प्रति प्रेम का भी जिक्र किया, और हापुस, केसर, दशहरी और लंगड़ा जैसी किस्मों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आम की खेती अब गांवों से निकलकर वैश्विक बाजारों तक फैल रही है और भारत की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में किसानों की अहम भूमिका की सराहना की। देश भर में बढ़ते तापमान को देखते हुए नागरिकों से अपील की कि वे भीषण गर्मी के दौरान एहतियात बरतें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, अनावश्यक रूप से धूप में निकलने से बचें और सरकार द्वारा जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें।

साजी वलासेरिल ने बिना शुल्क 15,000 लोगों को प्रशिक्षण दिया

प्रधानमंत्री ने केरल के अलुवा में एक अनेखी तैराकी पहल के बारे में बात की। यहां साजी वलासेरिल एक ऐसा ‘स्कूल’ चलाते हैं जिसके लिए न तो कोई फीस लगती है और न ही कोई इमारत है। यह स्कूल सीधे नदी में ही चलाया जाता है। दिव्यांग बच्चों सहित 15,000 से अधिक लोगों को यहां तैराकी का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। यह उदाहरण दिखाता है कि बुनियादी ढांचे के बजाय केवल समर्पण के बल पर भी सामाजिक सेवा किस तरह फल-फूल सकती है।

चंबा में बड़ा हादसा

गहरी खाई में गिरी पर्यटकों से भरी कार, 8 की मौत हो गई

एजेंसी ►► चंबा

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में दर्दनाक सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के 7 पर्यटकों समेत 8 लोगों की मौत की आशंका है। हादसा चुराह उपमंडल में बैरागढ़-साच पास-किलाड सड़क पर 29 मई की आधी रात को हुआ, जब पर्यटकों को लेकर जा रही एक एटिंगा कार गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना के बाद से सभी लोग लापता हैं। पुलिस और प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे खोज अभियान के बीच यह साफ हो गया है कि कार में सवार किसी के भी बचने की संभावना नहीं है।



मृतकों में छत्तीसगढ़ के 7

मृतकों में छग के अरविंद, पत्नी प्राची, उनके 2 बेटे दर्श और अपशद, पीजी कार्तिगहेयन, पत्नी मणिमाला और उनका बेटा नंदन शामिल हैं। इनके अलावा वाहन चालक विश्वास की भी मौत हुई है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

वेश्यावृत्ति कर रही हर महिला ‘मजबूर’ नहीं, उनकी राय सुनें

एजेंसी ►►नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि वेश्यावृत्ति में लगी हर महिला को मजबूर मानकर उसे पुनर्वासि केंद्र में भेज देना गलत है। कोर्ट ने कहा है कि बहुत सी महिलाएं स्वेच्छा से यह काम कर रही हैं। अगर महिला व्यवस्क है तो बिना उसकी मर्जी जाने उसे पुनर्वासि केंद्र में भर्ती कर देना गलत होगा। प्रज्वला बनाम भारत सरकार मामले में जस्टिस जेबी पारडीवाला और आर महादेवन की बेंच ने यह बड़ा फैसला दिया है।



एक ही नजरिए से देखना गलत

कोर्ट ने व्यवस्था को अव्यावहारिक और पुरुषवादी सोच से ग्रस्त बताया। फैसले में कहा ‘इम्मोरल ट्रेफिक प्रोवेंशन एक्ट, 1956’ की धारा 17 में हर ‘सेक्स वर्कर’ को एक ही नजरिए से देखा जाता है।

भारतीय मौसम विभाग ने ताजा जानकारी साझा की 3-4 दिनों में केरल में प्रवेश करेगा मानसून विभाग ने बताया कि फिलहाल स्थितियां अनुकूल बन रहीं

एजेंसी ►►नई दिल्ली

देशभर में भीषण गर्मी के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब केरल तट के बेहद करीब पहुंच चुका है। भारतीय मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार अगले 3-4 दिनों के दौरान मानसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के और हिस्सों, लक्षद्वीप, केरल और तमिलनाडु के कुछ क्षेत्रों, साथ ही बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं।



सामान्य से कम बारिश होगी तिरुवनंतपुरम में आईएमडी की निदेशक नीथा के गोपाल के अनुसार इस बार जून महीने में केरल समेत देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। मानसून की शुरुआत के बाद 10 जून के आसपास अच्छी बारिश हो सकती है।

बिहार सरकार का अल्टीमेटम

15 दिन के अंदर राबड़ी देवी को खाली करना होगा ‘वह’ बंगला

एजेंसी ►►पटना

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राजद नेता राबड़ी देवी को पटना जिला प्रशासन ने 10 सकुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने के लिए 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है। प्रशासन की सूचना में कहा गया है कि निर्धारित अवधि के भीतर आवास खाली कर 39 हार्डिंग रोड स्थित आवंटित सरकारी आवास में स्थानांतरित होना होगा। प्रशासन का कहना है कि राबड़ी देवी को शिफ्ट होने का अनुरोध किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आवास खाली नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी।



शनिवार शाम को पटना पुलिस राबड़ी देवी के आवास पर पहुंची थी। सचिवालय एसडीपीओ अनु कुमार ने राबड़ी देवी से मुलाकात कर प्रशासन का पत्र और निर्देश सौंपा। आवास खाली करने और नए आवास में स्थानांतरित होने को लेकर प्रशासन की ओर से औपचारिक जानकारी दी गई थी।

सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कार्यभार संभालते ही कहा- स्वदेशी हथियारों के विकास और तीनों सेनाओं के इंटीग्रेशन पर तेजी से करेंगे काम



एआई फोटो

एजेसी ►नई दिल्ली

पाकिस्तान और चीन मामलों के एक्सपर्ट के रूप में मशहूर जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को भारत के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्हें महत्वाकांक्षी मिलिट्री थिएटराइजेशन प्लान को लागू करने और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को मजबूत करने का प्राथमिक दायित्व दिया गया है। जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है, जिन्होंने शनिवार को देश के सर्वोच्च सैन्य कमांडर के तौर



एआई फोटो

पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद पद को छोड़ा है। बता दें कि मिलिट्री थिएटराइजेशन प्लान भारतीय सशस्त्र बलों (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) को एक साझा भौगोलिक क्षेत्र के तहत एकीकृत करने की एक महत्वाकांक्षी रक्षा सुधार योजना है। इसके तहत वर्तमान में अलग-अलग काम करने वाली 17 सिंगल-सर्विस कमानों को मिलाकर तीन प्रमुख एकीकृत थिएटर कमांड में तब्दील किया जा रहा है, ताकि युद्ध या आपातकाल के समय तीनों सेनाएं एक ही कमांडर के नेतृत्व में मिलकर त्वरित और अचूक कार्रवाई कर सकें। तत्कालीन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के नेतृत्व में इस योजना के अंतिम प्रस्ताव को मंजूरी की प्रक्रिया में लाया गया है, जिसे भारत की सैन्य रणनीति का अब तक का सबसे बड़ा पुनर्गठन माना जा रहा है।

तीनों सेनाओं का तालमेल बढ़ाने पर होगा फोकस

बता दें कि जनरल सुब्रमणि, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के तौर पर कार्यरत थे। पिछले साल 31 जुलाई को सेना उप प्रमुख के पद से जनरल सुब्रमणि रिटायर हुए थे। सीडीएस का पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, जनरल सुब्रमणि ने कहा कि सशस्त्र बलों का रूपांतरण, तीनों सेनाओं के बीच समन्वय और एकीकरण को बढ़ाने के लिए संगठनात्मक सुधार उनका प्राइमरी टारगेट होगा।

स्वदेशी हथियार पर रहेगा जोर

सीडीएस जनरल सुब्रमणि ने यह भी कहा, हम अपने सशस्त्र बलों में स्वदेशी हथियार सिस्टम के डेवलपमेंट, उनको सेना में शामिल करने और सेनाओं के एकीकरण की दिशा में तेजी काम करेंगे। हमारी सेनाओं ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा में लगातार प्रोफेशनलिज्म और निष्पक्षता का प्रदर्शन किया है। हम अपने भारत की संप्रभुता बनाए रखने और क्षेत्रीय अस्थिरता को रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

साहस के साथ करेंगे देश की सेवा

जनरल सुब्रमणि ने आगे कहा, मैं भारत के नागरिकों को आश्वासन देना चाहता हूँ कि सशस्त्र बल, समर्पण, साहस, सम्मान और प्रोफेशनलिज्म के साथ देश की सेवा करना जारी रखेंगे।

सीडीएस को अलग-अलग तरह के संघर्षों और भू-भागों का है अनुभव

अपने 40 साल से ज्यादा के करियर में, जनरल सुब्रमणि ने अलग-अलग तरह के संघर्षों और भू-भागों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। साथ ही, कमांड, स्टाफ और प्रशिक्षण से जुड़े कई पदों पर रह चुके हैं। जनरल सुब्रमणि ने 1 जुलाई, 2024 से 31 जुलाई, 2025 तक सेना के उप प्रमुख के तौर पर और मार्च, 2023 से जून, 2024 तक सेंट्रल कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया है।

खबर संक्षेप

म्यांमार में धमाका, 55 लोगों की मौत

नेथीडॉ। म्यांमार के राष्ट्रपति भारत दौरे पर हैं। इस बीच खबर है कि म्यांमार के एक गांव में हुए विस्फोट में कम से कम 55 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए हैं। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार शान राज्य के नामखाम टाउनशिप के कौंग तात गांव में 25 महिलाएं और 30 पुरुष मारे गए। वहीं एफएपी को दो बचावकर्मियों ने बताया कि रविवार को उत्तरी म्यांमार में हुए एक विस्फोट में दर्जनों लोग मारे गए। 70 से अधिक लोग घायल हुए। विस्फोट खनन में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों के आकस्मिक विस्फोट के कारण हुआ।

आज पीएम मोदी मिलेंगे म्यांमार के राष्ट्रपति से

नई दिल्ली। म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाईंग आज सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ



व्यापक वार्ता करेंगे, जिसमें सीमा सुरक्षा, कनेक्टिविटी परियोजनाएं, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता दोनों पड़ोसी देशों के बीच चर्चा में प्रमुखता से शामिल होने की उम्मीद है। म्यांमार के नेता शनिवार को पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे, यह उनकी वर्तमान क्षमता में भारत की पहली यात्रा है, जो पड़ोस और हिंद-प्रशांत रणनीति में स्थान रखने वाले देश के साथ नई दिल्ली की निरंतर भागीदारी रहेगी।

चीन की मिसाइल से ईरान में गिरा अमेरिकी विमान

नई दिल्ली। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए अमेरिकी एफ-15 फाइटर जेट को लेकर बड़ा खुलासा सामने आया है। एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस लड़ाकू विमान को चीन निर्मित शोलडर-फायर्ड मिसाइल से निशाना बनाया गया हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने ईरान को संघर्ष के दौरान अतिरिक्त सैन्य सहायता भी दी हो सकती है। इसमें स्ट्रेथ एयरक्राफ्ट तकनीक और लंबी दूरी की रडार प्रणालियां भी शामिल की गई हैं।

बातचीत से मसला सुलझाने का मरोसा दिया

नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया लिपुलेख पर ब्रिटेन मध्यस्थ बने: बालेन शाह

यह विवाद 1816 की सुगौली संधि पर है आधारित

एजेसी ►काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र(बालेन) शाह ने भारत की सीमा को लेकर देश की संसद में एक विवादित बयान दिया है। श्रम संस्कृति पार्टी के सांसद आरेन राय के सवाल का जवाब देते हुए पीएम शाह ने कहा, प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे पता चला कि न केवल भारत ने नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की भूमि पर कब्जा किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस संवेदनशील मामले पर दोनों पक्षों को एक साथ बैठकर



विचार करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री शाह ने संसद को आश्चर्य किया कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी के सीमा विवाद को कूटनीतिक बातचीत के जरिए सुलझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेपाल इस संबंध में भारत को आधिकारिक कूटनीतिक नोट भेज चुका है, जिसके जवाब में भारत ने विशेषज्ञों की टीम बनाकर समाधान तलाशने की बात कही है। चीन और भारत में होने वाले व्यापार पर नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की नेता पद्मा अर्याल के सवाल का जवाब देते हुए पीएम शाह ने एक नया मोड़ दिया।

क्या है विवाद?

भारत और नेपाल के बीच यह विवाद 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। नेपाल का दावा है कि महाकाली नदी को सीमा मानकर ये क्षेत्र उसके भू-भाग में आते हैं। वहीं, भारत का रुख स्पष्ट है कि ये इलाके उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का अभिन्न हिस्सा हैं, जहाँ 1950 के दशक से भारतीय सीमा चौकी मौजूद है।

फरवरी में बनी थी ट्रेड डील की रूपरेखा

भारत-अमेरिका के बीच फाइनल ट्रेड डील: आज से बैठक, टैरिफ-तेल और रक्षा समझौतों पर लगेगी मुहर?

दोनों देश पहले चरण के अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के साथ-साथ दीर्घकालिक व्यापक व्यापार समझौते के लिए कानूनी और नीतिगत ढांचे पर भी चर्चा करेंगे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बदला समीकरण

जानकारों ने कहा- ये प्रस्ताव भारत के हित में है

एजेसी ►नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है, अब केवल इस डील पर ऑफिशियल मुहर लगनी बाकी है। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी आज यानी 1 जून से नई दिल्ली में चार दिनों तक बैठक करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी। भारत की तरफ से इस डील में नेतृत्व वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन करेंगे। वहीं अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच करने वाले हैं। भारतीय

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक में कई अहम विषयों पर बातचीत होगी। भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी 2026 को एक संयुक्त बयान जारी कर अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तय की थी। इसके तहत दोनों देशों ने चरणबद्ध तरीके से व्यापारिक बाधाएं कम करने और टैरिफ में राहत देने पर सहमत जताई थी। समझौते के तहत अमेरिका ने भारत पर लगाए गए शुल्कों में कटौती करने का आश्वासन दिया था। अमेरिका ने पहले भारत से आयात होने वाले कई उत्पादों पर 50% तक शुल्क लगाया था, जिसे घटाकर 18% करने की बात कही गई थी। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 25% अतिरिक्त शुल्क को भी हटाने और शेष शुल्क को

भारत की ओर से बड़े प्रस्ताव

भारत ने व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कई कृषि वस्तुओं पर शुल्क घटाने या समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। जिसमें डिस्टिलर्स ड्राइव गैल्स,

रेड सोरस (पशु आहार), ट्रौ नट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्प्रिट्स इसके बदले भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से लगभग 500 अरब डॉलर मूल्य के उत्पाद खरीदने की इच्छा जताई है। इसी तरह ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान कलपुर्जे, बहुमूल्य धातुएं, प्रौद्योगिकी उत्पाद, कोकिंग कोल आदि को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रस्ताव दोनों देशों के बीच रणनीतिक आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।

भारत का निर्यात 87.3 अरब डॉलर पहुंचा

अमेरिका वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर सामने आया। भारत का अमेरिका को निर्यात बढ़कर 87.3 अरब डॉलर पहुंच गया।

अमेरिका से आयात 15.95% बढ़कर 52.9 अरब डॉलर रहा। भारत का व्यापार अंशेष घटकर 34.4 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 40.89 अरब डॉलर था।

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका के सभी देशों पर समान 10% शुल्क लागू किए जाने के बाद वैश्विक व्यापार प्रतिस्पर्धा का नया माहौल बन गया है। ऐसे में भारत और अमेरिका दोनों अपने-अपने हितों के हिसाब से समझौते की शर्तों में बदलाव कर सकते हैं।

ये हैं बातचीत के मुद्दे

- बाजार पहुंच
- गैर-शुल्क बाधाएं
- सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा
- निवेश प्रोत्साहन

आर्थिक सुरक्षा सहयोग

- सप्लाई चेन से जुड़ी रणनीतिक साझेदारी

ट्रंप के दावे पर ईरान का पलटवार होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रतिबंध अब भी बरकरार

एजेसी ►नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर लगाए गए नौसैनिक प्रतिबंध हटाने के दावे के बावजूद ईरानी जहाजों को अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। ईरानी नौसैनिक अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंध अभी भी लागू हैं और अमेरिकी केंद्रीय कमान की ओर से जहाजों को क्षेत्र में प्रवेश न करने की चेतावनी दी जाती रहती है। ट्रंप ने शुक्रवार को टुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि अमेरिकी



नौसैनिक नाकाबंदी अब हटा ली जाएगी। इसी पोस्ट में उन्होंने ईरान के साथ संपादित समझौते की शर्तें भी रखीं। उन्होंने कहा कि तेहरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने पर सहमत होना होगा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, ट्रम्प ने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोल दिया जाना चाहिए, ताकि दोनों दिशाओं में बिना किसी प्रतिबंध के जहाजरानी हो सके और सभी समुद्री बारूदी सुरंगें हटा दी जाएं।

मुज में शाह की उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक

सीमा सुरक्षा और घुसपैठ रोकने दिया बड़ा प्लान

एजेसी ►नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े सुरक्षा मुद्दों की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गुजरात के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी सहित राज्य सरकार और सीमावर्ती जिलों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सीमा सुरक्षा, घुसपैठ, तस्करी, आर्थिक अपराध और तटीय सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। अमित शाह ने कहा कि बॉर्डर फेंसिंग, समुद्री सीमा सुरक्षा और



सीमावर्ती क्षेत्रों में जोरों टॉलरेस की नीति

राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण गुजरात के सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि राज्य में घुसपैठ और सीमा पार तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से 0 से 15 किलोमीटर के दायरे में किसी भी अनधिकृत अतिक्रमण को जोरों टॉलरेस नीति के तहत समाप्त किया जाए। उन्होंने सीमावर्ती

क्षेत्रों में कट्टरपंथी गतिविधियों के संपादित केंद्रों पर भी लगातार निगरानी रखने की आवश्यकता बताई। अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में जिला मजिस्ट्रेट नियमित रूप से जनसंख्यिकी परिवर्तनों की निगरानी करें और इसकी रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के कारण हो रहे रिवर्स माइग्रेशन को सकारात्मक संकेत बताया। बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि पहले से बसे अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने के लिए प्रशासन के सभी स्तरों को मिलकर कार्य करना चाहिए।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग को पूरा करना प्राथमिकता

2025-26 में अडाणी समूह की कंपनियों का संयुक्त राजस्व 2.92 लाख करोड़ रुपए रहा

समूह का कर पश्चात लाभ 13.9 प्रतिशत बढ़कर 46,377 करोड़ रुपए पर पहुंच गया

एजेसी ►नई दिल्ली

अरबपति उद्योगपति और अडाणी ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अडाणी ने कहा कि अमेरिका में अडाणी समूह से जुड़े कानूनी मामलों का अध्याय अब पीछे छूट चुका है। समूह अब अपनी अगली विकास यात्रा पर पूरी मजबूती के साथ फोकस कर रहा है। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह अब ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निवेश को तेज करने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि समूह के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती पूंजी जुटाना नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती बुनियादी ढांचा और ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए परियोजनाओं को तेजी से लागू करना है। उन्होंने कहा कि ऑटोफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)



कि यह उस समय हुआ जब समूह को कॉरपोरेट गवर्नेंस और नियामकीय मुद्दों को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा, यह ऐसा वक्त था, जब दुनिया और अधिक विभाजित और जटिल होती जा रही थी। ऊर्जा सुरक्षा फिर से राष्ट्रीय रणनीति के केंद्र में आ गई थी और तकनीक किसी भी देश की संप्रभुता से सीधे जुड़ गई थी।

के विस्तार के साथ बिजली की खपत बढ़ाने वाले डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन ने समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी इंटरप्राइजेस के 24,930 करोड़ रुपए के राइट्स इश्यू को निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह उस समय हुआ जब समूह को कॉरपोरेट गवर्नेंस और नियामकीय मुद्दों को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा, यह ऐसा वक्त था, जब दुनिया और अधिक विभाजित और जटिल होती जा रही थी। ऊर्जा सुरक्षा फिर से राष्ट्रीय रणनीति के केंद्र में आ गई थी और तकनीक किसी भी देश की संप्रभुता से सीधे जुड़ गई थी।

न हम झुके न हम रुके

गौतम अडाणी ने कहा कि यह प्रगति आसान परिस्थितियों में नहीं हुई। बंदरगाह से लेकर ऊर्जा जैसे तक फैले समूह को असाधारण जांच-पड़ताल और चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन हम झुके नहीं और न ही रुके। उन्होंने आगे कहा, हमारी पहचान हमारे आसपास के शोर से नहीं, बल्कि हमारी प्रतिक्रिया की ताकत से होती है। हमारी पहचान चुनौतियों की ताकत से नहीं, बल्कि हमारे उद्देश्य की स्पष्टता से होती है। आलोचनाओं से नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के उस विषय से होती है, जिस पर हम लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका में चल रहे कानूनी मामलों से जुड़ी बातें अब पीछे छूट चुकी हैं। इससे हमें नए आत्मविश्वास और विश्वास के साथ अपनी आगामी विकास यात्रा पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिला है। उन्होंने समूह की रणनीति को दो प्रमुख विकास स्तंभों इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटेलिजेंस पर आधारित बताया। उनका कहना है कि ऑटोफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से बढ़ते उपयोग के कारण बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन नेटवर्क, डाटा केंद्र और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, एआई के स्रोतों से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है।

फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटन्स को 5 विकेट से हराया

किंग कोहली का ‘फिनिशिंग टच’ आरसीबी फिर बना चैंपियन

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (नाबाद 75 रन) के अर्धशतक से रविवार को आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटन्स को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरा खिताब अपने नाम कर खचाखच भरे नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में अपने दर्शकों को खुशियां मनाने का मौका दिया। आरसीबी ने अपने आक्रमक खेल से टूर्नामेंट में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और इसका समापन एक और ट्रॉफी से किया। आरसीबी ने पिछले चरण में 18 साल बाद पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती थी और रविवार को कोहली ने छक्का लगाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

एजेसी ►► अहमदाबाद

टॉस जीतकर गेंदबाजी करने वाली आरसीबी के गेंदबाजों ने धीमी पिच का पूरा फायदा उठाते हुए गुजरात टाइटन्स को 8 विकेट पर 155 रन ही बनाने दिए। छह दिन में तीसरे स्थल पर तीसरा मैच खेल रही गुजरात टाइटन्स पर थकान हावी दिखी।

इसके बाद कोहली (42 गेंद, नौ चौके और तीन छक्के) और वेंकटेश अय्यर (32 रन) की अच्छी शुरुआत दिलाई, जिससे आरसीबी 18 ओवर में 5 विकेट पर 161 रन बनाकर मुंबई इंडियंस (पांच ट्रॉफी) और चेन्नई सुपर किंग्स (पांच ट्रॉफी) के बाद लगातार खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बन गई। कोहली ने पैर में हो रही दिक्कत के बावजूद आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक जड़ा, उन्होंने 25 गेंद में सात चौके और दो छक्के से पचास रन पूरे किए।



आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी

विराट कोहली ने फाइनल मुकाबले में 25 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से वह पचास तक पहुंचे। यह विराट के आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी है। इससे पहले उन्होंने 2018 में राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 26-26 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की थी।



आरसीबी लगातार दो आईपीएल खिताब जीतने वाली तीसरी टीम

आरसीबी ने लगातार दूसरे सीजन में खिताब जीतकर चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के क्लब में एंट्री कर ली। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार का नाम आईपीएल के दो दिग्गज कप्तानों महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ लिया जाएगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु लगातार दो आईपीएल खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बनी। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 और 2011 में लगातार दो बार खिताब जीता था। मुंबई इंडियंस ने 2019 और 2020 में लगातार दो बार खिताब जीता था। आरसीबी ने 2025 के बाद 2026 में यह कारनामा किया। रजत पाटीदार से पहले महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा लगातार दो सीजन खिताब जीते हैं।



ऑरेंज कैप पर वैभव का कब्जा, गिल को पछाड़ा

आईपीएल इतिहास में हर सीजन सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज को ऑरेंज कैप से सम्मानित किया जाता है। आईपीएल के एक सीजन में जो खिलाड़ी सबसे ज्यादा रन बनाता है, उसे स्पेशल ऑरेंज कैप के साथ प्राइज मनी भी दी जाती है। आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने आखिर में लंबी छलांग लगाई और शीर्ष स्थान हासिल करते हुए ऑरेंज कैप पर कब्जा जमा लिया। इस रेस में उन्होंने साई सुदर्शन और शुभमन गिल को पछाड़ा, जिसके चलते वैभव अब 15 साल की उम्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले आईपीएल के पहले बेटर बने। वैभव ने 16 मैचों में एक शतक की मदद से 776 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 72 छक्के भी जड़े। शुभमन गिल (732) और साई सुदर्शन (722) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन रहे। क्लासेन ने इस सीजन 624 रन बनाए। रेंज कैप जीतने वाले खिलाड़ी को साल 2008 से अब तक 10 लाख रुपये की प्राइज मनी दी जाती रही है।



रबाडा ने दूसरी बार जीता पर्पल कैप

गुजरात टाइटन्स की टीम आईपीएल 2026 का खिताबी मुकाबला हार गई। इसके बाद भी टीम रबाडा ने पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया। क्वालीफायर-1 में आरसीबी हार गई थी और इसी वजह से रबाडा को एक अतिरिक्त मैच मिल गया। उन्होंने 17 मैचों में 29



बल्लेबाजों को आउट किया। आर्चर की इकोनॉमी 9.68 की रही। साथथ अफ्रीका के रबाडा ने दूसरी बार आईपीएल में पर्पल कैप जीता है। इससे पहले 2020 सीजन में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से भी सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। तब भी उनकी टीम फाइनल में हार गई थी।

एक से ज्यादा खिताब जीतने वाली चौथी टीम बनी आरसीबी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु एक से ज्यादा खिताब जीतने वाली चौथी टीम बनी। चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस ने 5-5 बार आईपीएल का खिताब जीता है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 3 बार आईपीएल का खिताब जीता है। अब आरसीबी ने दो बार आईपीएल का खिताब जीत लिया है। राजस्थान रॉयल्स, डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स ने 1-1 बार आईपीएल का खिताब जीता है।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटन्स	रन	गेट	4	6
मुर्तुगन का शिरो ने मुनेनेथ	12	12	2	0
गिल का चतुर्थर ने डेक्कन	10	8	2	0
विश्व का चतुर्थर ने रॉयल चैलेंजर्स	20	8	3	0
बटथर रू विरि ने कुमल	19	23	1	0
अय्यर का नवंबर ने डेक्कन	50	37	5	0
अय्यर का नवंबर ने डेक्कन	15	6	2	0
रेडिय का चतुर्थर ने कुमल	07	5	1	0
डेक्कन का डेक्कन ने डेक्कन	07	5	1	0
डेक्कन का डेक्कन ने डेक्कन	07	3	0	1
रविश्व नाथ	03	3	0	0

अतिरिक्त : 05 गुरु वाम : 20 ओवर में 155/5 रन
नैटबनी : डेक्कन 4-0-38-0, मुनेनेथ कुमल 4-0-29-2, गिल डेक्कन 4-0-37-2, रॉयल चैलेंजर्स 4-0-27-3, कुमल 4-0-23-1

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेट	4	6
डेक्कन का रबाडा ने डेक्कन	32	16	4	2
डेक्कन का रबाडा ने डेक्कन	75	42	9	3
डेक्कन का रबाडा ने डेक्कन	01	4	0	0
पट्टर का रबाडा ने डेक्कन	15	13	1	1
कुमल का रबाडा ने डेक्कन	01	2	0	0
डेक्कन का रबाडा ने डेक्कन	24	17	3	1
डेक्कन का रबाडा ने डेक्कन	11	14	1	0

अतिरिक्त : 02 गुरु वाम : 18 ओवर में 161/5 रन
नैटबनी : डेक्कन 4-0-36-1, रबाडा 3-0-44-1, डेक्कन डेक्कन 2-0-36-0, रॉयल चैलेंजर्स 4-0-25-2, अय्यर डेक्कन 4-0-32-1, रॉयल चैलेंजर्स 1-0-7-0

स्वर संक्षेप



ब्रिटिश ओपन स्ववाश : दूसरे दौर में अमय और चोटरानी बर्मीधम। भारत के अभय सिंह और वीर चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्ववाश प्रतियोगिता के दूसरे दौर में पहुंच गए हैं लेकिन रमित टंडन और अनाहत सिंह इस पीएसए डायमंड स्तर के टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने कोलंबिया के मैटियस नुडसन को 11-8 11-5 11-4 से, जबकि विश्व में 21वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी ने पाकिस्तान के नूर जमा को 11-8 12-14 11-6 11-7 से हराया। टंडन फ्रांसीसी खिलाड़ी ऑगस्टे डुसोई के खिलाफ मैच के बीच से हट गए। उस समय यह भारतीय खिलाड़ी 14-12 4-7 से पीछे चल रहा था। महिला वर्ग में विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत मिश्र की विश्व में 36वें नंबर की खिलाड़ी नार्डिन गारास से हार गई।

जाबरा ओपन: अवनी और दीक्षा ने बनाई शीर्ष दस में जगह



एवियन-लेस-बैंस। भारतीय गोल्फर अवनी प्रशांत और दीक्षा डागर ने अंतिम दौर में अच्छा प्रदर्शन करते हुए जाबरा लेडीज ओपन डि फ्रांस में शीर्ष 10 में जगह बनाई। अवनी अंतिम दौर में दो अंडर 69 का स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रही, जबकि दीक्षा (71) ने संयुक्त नौवां स्थान हासिल करके वर्तमान सत्र में तीसरी बार शीर्ष 10 में जगह बनाई। अवनी ने 72-68-69 के कार्ड खेल कर कुल चार अंडर पार का स्कोर बनाया। दीक्षा ने 67-72-71 का स्कोर बनाकर कुल तीन अंडर पार का स्कोर हासिल किया।

फ्रेंच ओपन

पहली बार क्वार्टर फाइनल में कोस्त्युक, स्विआतेक को हराया



एजेसी ►► पेरिस

मार्ट कोस्त्युक ने चार बार की चैंपियन इगा स्विआतेक को 7-5, 6-1 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। कोस्त्युक ने इस सत्र में अभी तक बले कोर्ट पर कोई मैच नहीं गंवाया है। इससे पहले स्विआतेक के खिलाफ उन्हें तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा था। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ अभी तक एक सेट भी नहीं जीता था। रविवार को अपना 25वां जन्मदिन मना रही स्विआतेक ने पहले सेट में अच्छी चुनौती पेश की लेकिन इसके बाद कोस्त्युक हावी हो गई और सीधे सेटों में जीत दर्ज करके पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही।

कोको गॉफ का अभियान समाप्त



मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में खिताब का बचाव करने का सफर तीसरे दौर में ही थम गया लेकिन नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। गॉफ को इस मैच में एक ऐसी खिलाड़ी ने पराजित किया, जिसने लंबी बेसलाइन रैलियां और कोर्ट कवरेज में इस अमेरिकी खिलाड़ी का डटकर मुकाबला किया। यह खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा थीं, जिन्होंने शनिवार को तीसरे दौर में गॉफ पर 4-6, 7-6 (1), 6-4 से जीत हासिल की। इससे पहले ओसाका ने अपने 100वें वैंड स्लैम मैच में लगभग तीन घंटे में 18 वर्षीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इवा जोविक को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका का अगला मुकाबला नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेका से होगा।

पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची क्रिस्टिया



सत्र के अंत में संन्यास लेने की योजना बना रही रोमानियाई अनुभवी खिलाड़ी सोराना क्रिस्टिया ने चीन की क्वालीफायर वांग जियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर अपने दूसरे रोला गैर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह उन्होंने 17 साल बाद पहली बार अंतिम आठ में जगह बनाई।

नॉर्वे चेस : विमेंस कैटेगरी में नंबर-1 पर दिव्या, ग्रैंडमास्टर गुकेश की वापसी

एजेसी ►► ओस्लो



प्रज्ञानंद और कार्लसन हारे

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपने हमवतन आर प्रज्ञानानंदा को क्लासिकल मुकाबले में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए और खिताब की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा जबकि महिला वर्ग में दिव्या देशमुख शीर्ष पर पहुंच गईं।

इस बीच मौजूदा चैंपियन मैग्नस कार्लसन की मुश्किलें और बढ़ गई क्योंकि उन्हें अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो से हार का सामना करना पड़ा। इससे वह पांच राउंड के बाद छह खिलाड़ियों की तालिका में सबसे नीचे आ गए।

वेस्ली सो इस जीत से 8.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वह अलीरेजा फ़िरोजा से पीछे हैं, जिन्होंने अब तक प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम रखते हुए 10 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी है।

‘इम्पैक्ट प्लेयर’ का नियम खत्म कर देना चाहिए : सचिन

मुंबई। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाने के लिए विवादस्पद इम्पैक्ट प्लेयर नियम को खत्म करने की कालत की और साथ ही कुछ अन्य बदलाव करने के लिए भी सुझाव दिए। आईपीएल में इंपैक्ट प्लेयर का नियम 2023 में लागू किया गया था। इसके तहत टीम अंतिम एकादश में शामिल किसी खिलाड़ी को पहले से घोषित किए गए पांच संभावित खिलाड़ियों में से किसी एक से बदल सकती हैं। तेंदुलकर ने कहा, ‘मेरी निजी राय है कि कुछ ऐसी बातें हैं, जिनसे मुझे लगता है कि ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ का नियम खत्म कर देना चाहिए।’



दिव्या ने 84 चाल में जीती बाजी : महिला वर्ग में भारत की विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख ने चीन की झू जिन्नर को क्लासिकल बाजी में हराकर तीन अंक हासिल किए। इससे वह 8.5 अंकों के साथ पहली बार छह खिलाड़ियों की तालिका में शीर्ष पर पहुंच गईं। भारतीय खिलाड़ी ने 84 चाल में जीत हासिल की। भारत की ही कोनेरु हम्पी ने चीन की जू वेनजुन को हराया। हम्पी के 4.5 अंक हैं और इस जीत के बावजूद वह सबसे निचले स्थान पर हैं।

भारतीय टीम का दबदबा, कोरिया को हराया

एजेसी ►► काकागिगाहारा

भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंडर-18 एशिया कप के फूल ए के अपने दूसरे मैच में कोरिया को 3-1 से पराजित किया। भारत की तरफ से नौशीन नाज, श्रुति कुमारी और किरण एक्का ने गोल किए। इस तरह से पहले दिन मलेशिया को हराते

एजेसी ►► बुडापेस्ट



पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने एक रोमांचक फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बुडापेस्ट में खेले गए फाइनल में अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था, जिसके बाद पीएसजी ने पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को 4-3 से हराकर लगातार दूसरी बार यूरोपीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। आर्सेनल के डिफेंडर रैम्वेल मैगालहेंस ने अपनी टीम की आखिरी पेनल्टी को गोलपोस्ट के ऊपर मार दिया, जिससे पीएसजी को शूटआउट में जीत मिल गई।

अंडर-18 एशिया कप



वाली भारतीय टीम ने अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा।

भारतीय टीम की शानदार शुरुआत
भारत ने शानदार शुरुआत की और पहले क्वार्टर में पेनल्टी हासिल की। नौशीन (चौथे मिनेट में) ने पेनल्टी की गोल में बदलाव भारत को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और दूसरे क्वार्टर में बढ़त को दोगुना कर दिया। खेल के 21वें मिनेट में श्रुति ने एक शानदार मैदान गोल दागा, जिससे भारत हाफ टाइम तक 2-0 से आगे था।

इंडोनेशिया के अल्फियन और फिकरी की जोड़ी को हराया

सिंगापुर ओपन: सात्विक-चिराग बने चैंपियन

एजेसी ►► सिंगापुर

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की जोड़ी को हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीता। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन इस भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दो वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। यह उनके करियर का नौवां बीडब्ल्यूएफ विश्व ट्र खिताब है। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज करते हुए सुपर 750 स्तर का अपना तीसरा खिताब भी हासिल किया।

जीत के बाद कोर्ट पर किया डांस

जीत का निरापेक्ष अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पांडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

दो साल के खिताबी सूखे को किया खत्म पहले गेम में पिछड़ने के बाद बढ़ाई गति



कई मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया। यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही।

सिंगापुर ओपन जीतने वाली बनी पहली भारतीय पुरुष जोड़ी

विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। सात्विक और चिराग ने पिछली बार 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था। तब से वे चार फाइनल में पहुंचे थे लेकिन हर बार उपविजेता रहे। सिंगापुर में जीत के साथ उन्होंने खिताबी सूखे को भी समाप्त कर दिया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था।

राजा भोज की नगरी में लोकमाता अहिल्याबाई की विरासत महेश्वरी साड़ी का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती वर्ष के अवसर पर राजधानी के जीटीबी परिसर स्थित मृगनयनी एम्पोरियम में रविवार से विशेष महेश्वरी साड़ी प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। यह प्रदर्शनी 10 जून तक चलेगी। यह केवल वस्त्रों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि लोकमाता अहिल्याबाई द्वारा स्थापित समृद्ध हस्तकरघा परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को नमन करने का एक सशक्त प्रयास है। प्रदर्शनी में महेश्वर के कुशल बुनकरों द्वारा तैयार की गई महेश्वरी साड़ियों की विशिष्ट श्रृंखला प्रस्तुत की गई है।



साड़ियों की डिजाइन के विशेष प्रयोग

इन साड़ियों में पारंपरिक बॉर्डर, आकर्षक रंग संयोजन और शाही सौंदर्य का अनूठा समावेश देखने को मिल रहा है। महेश्वरी साड़ी की पहचान उसकी हल्की बनावट, सुरक्षित डिजाइनों और उत्कृष्ट शिल्पकला के कारण देश-विदेश तक बनी हुई है। इन वस्त्रों में उस गौरवशाली परंपरा की झलक दिखाई देती है, जिसकी नींव लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने महेश्वर को वस्त्र निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाकर रखी थी।



प्रधानमंत्री को भेंट की जा चुकी है स्टॉल

प्रदर्शनी में बनाई के क्षेत्र में किए गए नवाचार भी विशेष आकर्षण होंगे। राजकुमार सराफ, असिस्टेंट डायरेक्टर हैंडलूम तथा संतोष माने, महेश्वर केंद्र के निदेशन में तैयार की गई विशेष डिजाइनों में पारंपरिकता और आधुनिकता का सुंदर संगम देखने को मिलेगा। इन डिजाइनों को साकार करने में बुनकर मीनाक्षी ढाकले और हेमलता ढाकले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उल्लेखनीय है कि दोनों शिल्पकारों ने विगत वर्ष 30 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपने स्वयं निर्मित हस्तकरघा उत्पादों के स्टॉल के माध्यम से स्वागत किया था, जिसकी व्यापक सराहना हुई थी।

मोपाल की अंजना यादव ने एवरेस्ट फतह कर बढ़ाया देश का गौरव

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

मग्न की अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही अंजना यादव ने 27 मई को सुबह 5.24 बजे विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक पहुंचकर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया। रायसेन जिले के सेमरी गांव की अंजना ने अभियान के दौरान 6119 मीटर ऊंची लाबुचे पीक और एवरेस्ट पर ऑपरेशन सिंदूर का बैनर फहराकर भारतीय सेना को सम्मान दिया। उन्होंने फिट इंडिया अभियान और मां के नाम एक पेड़ संदेश के जरिए स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। अंजना 1 जून को भारत लौटेंगी। अंजना ने अपनी सफलता का श्रेय मग्न के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और सहयोग को दिया। इसके साथ ही उन्होंने अपने मेंटर एवं वरिष्ठ समाजसेवी हरिऔध जटिया का भी विशेष उल्लेख किया।

ऑपरेशन सिंदूर का बैनर फहराकर भारतीय सेना को सम्मान दिया, आज मोपाल लौटेंगी अंजना



मुख्यमंत्री ने दी बधाई



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रायसेन जिले के ग्राम सेमरी की अंजना यादव को विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफलता पूर्वक चढ़ाई कर विजय प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अंजना यादव के उज्ज्वल भविष्य की कामना

भी की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि प्रदेश की बेटी अंजना ने इतिहास रच कर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंजना का साहस, संकल्प और समर्पण सभी बेटियों के लिए प्रेरणादायक है।

बच्चों एवं परिवारों ने बड़-चढ़कर लिया हिस्सा ‘ड्रग्स को कहें न’ के संदेश के साथ कम्युनिटी नाइट रन



हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

टीम सुपरॉक्स बाय सुपर एथलिट एक विशेष कम्युनिटी नाइट रन का सफल आयोजन किया गया। आरएनटीयू वेलोसिटी नाइट रन 2026 के वार्म-अप रन के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य फिटनेस को बढ़ावा देना तथा समाज में नशे को न कहें का संदेश पहुंचाना था। कार्यक्रम में कुल 75 प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें से 55 धावकों ने रन के लिए पंजीयन कराया। वहीं लगभग 20 बच्चों ने अपने

अभिभावकों के साथ इस आयोजन में शामिल हुए। बच्चों ने अपने माता-पिता के सहयोग के साथ 3 किमी की दौड़ पूरी कर खेल भावना का परिचय दिया। रन सैर सपाटा पार्किंग से वन विहार गेट नंबर-2 तक निर्धारित मार्ग पर की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ रनिंग कोच एवं आयरनमैन प्रवीण सपकाल ने प्रतिभागियों को नाइट रनिंग से संबंधित जानकारी प्रदान की। रन के समापन पर सभी प्रतिभागियों को केले, लाइट और प्रोटीन युक्त रिफ्रेशमेंट्स एवं आवश्यक हाइड्रेशन उपलब्ध कराया गया।

गंधर्व के प्रयास को मिली सराहना होश वालों को खबर...जैसे 90 के दशक के गीतों से सजी शाम

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

गंधर्व कल्चर एंड ईवेंट के तत्वावधान में रविवार की शाम मिनाल रेसीडेंसी स्थित उन्नति भवन में 90 कराओके नाइट म्यूजिकल ईव का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर मंगल गान से हुआ। कार्यक्रम में गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक हिंदी सिनेमा के 1990 के दशक के गीतों को गाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रोताओं की उपस्थिति रही। कराओके नाइट की शुरुआत शहील सिंह ने सोचेंगे तुम्हें प्यार करें कि नहीं...गीत के साथ की। अगली प्रस्तुति मीता ने कोयलिया गाती है...गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद जावेद ने तुम मिले दिल खिले....



गाया। फरमाइश पर कार्यक्रम में कुछ 1990 के पहले के गीत भी गाये गए, जिसमें राजीव श्रीवास्तव ने ए मेरी जोहवा जबीं...., अजीत गौरकर ने भरी दुनिया में...., सुखलाल संगुले ने गाड़ी धीरे हांक...., दीपक पारे ने सुहानी चांदनी....,अनुज ने अजी ऐसा मौका...., आशु ने चला जाता हूं किसी की धुन में...., प्रवीण ने मेरे महबूब...., तनु ने दम मारो दम.... गीत प्रस्तुत किया। वहीं, 90 के नंबर में राजमंगल सोय ने चल छैया...., योगेंद्र कटार ने प्रीटी वुमेन....,रीतेश पुरी ने होश वालों को खबर क्या.... बसंती अट्टया ने थोड़ा सा पागल थोड़ा...., मनोज बमरेले ने रुक जा ओ दिल दीवाने...., दीप सिंह चौधरी ने लाई वी न गई.... एवं हिमांशु सोनी ने ए जाते हुए लम्हों जरा ठहरो.... गीत प्रस्तुत किए।



हरिभूमि कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अर्चित महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोंदिवरवा, मोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पौबी-2, चतुर्थ तल, मांसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट राठी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, मोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमशु दिवेदी। सहाय्यी संपादक: प्रमोद भादनाज। RNI NO. MP/HIN/2014/55906, फ़ोन: 0755-4404930

सदानीरा समागम का पांचवां दिन

भारत भवन के मंचों पर लोक और विश्व कला का अद्भुत प्रदर्शन

नर्मदे हर हर में नर्मदा की आस्थात्मक चेतना का सजीव चित्रण

सांस्कृतिक संध्या के अंतर्गत देश के प्रख्यात भरतनाट्यम कलाकार वैभव आरेकर ने अपनी एकल प्रस्तुति ‘नर्मदे हर हर’ प्रस्तुत दी। अपनी गहन, शांत और भावप्रधान शैली के लिए प्रसिद्ध आरेकर ने नर्मदा नदी की आध्यात्मिक महिमा, सांस्कृतिक विरासत और जीवनदायिनी स्वरूप को शास्त्रीय नृत्य के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। प्रस्तुति में नृत्य, भाव और संगीत का सुंदर समन्वय देखने को मिला। दर्शकों ने इसे विशेष रूप से सराहा।

विश्वप्रसिद्ध बैले स्वान लेक ने बांधा समां

भारत भवन के अंतरंग सभागार में विश्वप्रसिद्ध बैले नाट्य प्रस्तुति ‘स्वान लेक’ का मंचन हुआ। द इंपीरियल फर्नांडो बैले कंपनी द्वारा प्रस्तुत इस कालजयी कृति ने प्रेम, त्याग, विश्वास और जादू की भावनाओं को मंच पर जीवंत कर दिया। प्रस्तुति की कोरियोग्राफी महान बैले आचार्य मारियस पेटिपी की मूल रचना पर आधारित थी, जिसे फर्नांडो अगुइलेरा ने नए स्वरूप में प्रस्तुत किया। निर्देशन फर्नांडो अगुइलेरा और रफी खान ने किया, जबकि संगीत महान रूसी संगीतकार प्योटर इलाइची टचैकोवस्की का था। कथा राजकुमारी ओडेट की है, जिसे दुष्ट जादूगर रोथबार्ट के श्राप के कारण हंस का जीवन जीना पड़ता है।



श्राप को तोड़ने के संघर्ष की कहानी झील के किनारे राजकुमार सीगफ्रीड से उसकी भेंट होती है और दोनों के बीच प्रेम जन्म लेता है। सच्चे प्रेम की शक्ति से श्राप को तोड़ने के संघर्ष की यह कहानी दर्शकों को भावनात्मक यात्रा पर ले गई। प्रस्तुति में ओडेट की भूमिका पेनेलोप स्केरियन, प्रिंस सीगफ्रीड की भूमिका दीपक तथा रोथबार्ट की भूमिका प्रतीक कपसाइम ने निभाई। इंटरनेशनल फाइन बैले कंपनी के कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय ने दर्शकों की मंत्रमुग्ध कर दिया।



रॉयल राजपूताना ग्रुप ने लिनेन और कॉटन थीम में मनाया शानदार समर सेलिब्रेशन

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

भीषण गर्मी के बीच रॉयल राजपूताना ग्रुप द्वारा खास समर सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया, जिसमें सभी मेंबर्स ने लिनेन और कॉटन थीम में अपनी खूबसूरत मौजूदगी दर्ज कराई। हल्के रंगों और समर आउटफिट्स में सजे सदस्यों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम के दौरान मस्ती, मनोरंजन और आपसी मेलजोल का खुशनुमा माहौल देखने को मिला। सभी ने गेम्स, म्यूजिक और बातचीत के साथ समर पार्टी को खूब एंजॉय किया। इस शानदार आयोजन को सुचंता और माधवी सिंह ने बेहद खूबसूरती से ऑर्गेनाइज किया।



हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दिल्ली में कार्यक्रम

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा, क्या आज की पत्रकारिता में देश है?

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली तथा माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, मोपाल द्वारा आयोजित दो-दिवसीय ‘हिन्दी पत्रकारिता द्विशताब्दी महोत्सव’ रविवार को नई दिल्ली में संपन्न हुआ। अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने की। हिन्दी पत्रकारिता : भविष्य, चुनौतियाँ और संभावनाएं” विषय पर इस केंद्रीय सत्र में आईजीएनसीए के अध्यक्ष पद्म भूषण रामबहादुर



राय ने ‘आपातकाल : सीख और सबक’ विषय पर बात की। इस आयोजन की प्रासंगिकता पर हरिवंश ने कहा, ‘उदत्त मार्चण्ड’ के मास्ट हेड के नीचे एक स्लोगन लिखा होता था, संस्कृत में जिसका अर्थ था – ‘सूर्य के प्रकाश के बिना

जिस तरह अंधेरा नहीं मिटता, उसी तरह समाचार सेवा के बिना अज्ञान जानकार नहीं बन पाते। पत्रकारिता का धर्म है कि जैसे सूर्य का प्रकाश अंधेरे को दूर करता है, उसी तरह सूचनाएं या जानकारी लोगों की अज्ञानता को दूर करती है।

मैं अपने से पूछता हूँ कि क्या आज की हमारी पत्रकारिता इन आर्थिक सवालों पर खासतौर से हिंदी पत्रकारिता कितनी सजग है? जिस देश से प्रेरित होकर यह पत्रकारिता शुरू हुई 200 वर्षों पहले, आज की पत्रकारिता में वह देश कहाँ है।

राय ने आपातकाल को किया याद

वहीं रामबहादुर राय ने आपातकाल को याद करते हुए कहा, उस दौरान भूमिगत आंदोलन में अगर साहित्य का वितरण अगर कोई कर सका, तो वह आज के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे। मेरा मानना है कि इमरजेंसी अनश्वक थी। इमरजेंसी सिर्फ और सिर्फ इसलिए लगाई गई कि इंदिरा गांधी अपनी लोकसभा की सदस्यता को बचाए रखना चाहती थीं। इस सत्र में क्षम शर्मा ने हिन्दी पत्रकारिता में महिला सहभागिता, हिमांशु शेखर ने पेड न्यूज़, दिलीप मंडल ने सोशल मीडिया कितना सोशल, सुशब्र जैन ने तकनीकी नवाचार और निमिश कपूर ने डिजिटल युग में पर्यावरण

पत्रकारिता पर बात की। प्रो. कृपाशंकर चौबे ने हिन्दी पत्रकारिता के विकास में अहिन्दीभाषी मनीषियों के महत्त्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। डॉ. धनंजय कोपड़ा ने हिन्दी पत्रकारिता और जनआंदोलनों के सम्बंधों की चर्चा करते हुए कहा कि हिन्दी पत्रकारिता ने सभी आंदोलनों को हाथोंहाथ लिया है। प्रो. वर्तिका नंदा ने दृश्य-श्रव्य माध्यम की हिन्दी पत्रकारिता, प्रो. हरबंश दीक्षित ने हिन्दी पत्रकारिता : संवैधानिक अधिकार और सरकार तथा प्रो. उषावती राव ने दक्षिण भारत में हिन्दी पत्रकारिता की यात्रा और उसके विस्तार का विस्तृत परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया।